bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org संवत 2080 युगाब्द 5125 कुल पृष्ठ –32 फरवरी प्रथम – 13

वर्तमान

कमल ज्योति

₹20

प्रादेशिक कार्यशाला, किसान मोर्चा, लखनऊ

शुक्रिया मोदी अभियान, अल्प संख्यक मोर्चा, लखनऊ

गाँव चलो अभियान, प्रदेश कार्यशाला, लखनऊ

भाजपा का बढ़ता जनाधार, सदस्यता ग्रहण समारोह, लखनऊ

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध/कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक
नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
bjpkamaljyoti
@bjpkamaljyoti

बधाई - शुभकामनाएं

सम्पादकीय

एक भारत श्रेष्ठ भारत के शिल्पी 'भारत रत्न'

आजादी के बाद राष्ट्रीय एकात्मता, विकसित भारत के सपनों को संजोये भारतीय महापुरूषों को भारत रत्न के सम्मान से सम्मानीत करने की परम्परा चली आ रही है। लेकिन पूर्ववर्ती सरकारें दलगत राजनीति से उपर उठकर कभी नहीं सोचा। जिसका परिणाम एक परिवार के अनेक लोगों को सम्मान मिला। लेकिन अमृतकाल के भारत की नीति रीति चिन्तन चरित्र बदला है। राष्ट्र प्रथम की भावना बलवती हुई है। नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत में ''सबका साथ, सबका विकास'' का संकल्प प्रभावी हुआ है। जिसका परिणाम चहुँओर दिख रहा है। जिसका प्रभाव ''भारत रत्न'' जैसे सम्मान में भी दिख रहा है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया एक्स के जरिए दी है।इससे पहले मोदी सरकार ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जननायक के नाम से मशहूर कर्पूरी ठाकुर को भी भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा की थी।

किसानों के लिए हमेशा खड़े रहने वाले किसान नेता और भारत के पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा कृषि क्षेत्र के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण पेश कर रही है।

चौधरी चरण सिंह और डॉ. एमएस स्वामीनाथन के चयन से पता चलता है कि कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वालों को नरेंद्र मोदी सरकार प्राथमिकता दे रही है। तीन भारत रत्न सम्मान पाने वाले में से दो देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव रहे हैं जो गैर–भाजपा पृष्ठभूमि से आते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा इन दोनों नेताओं को भारत रत्न सम्मान की घोषणा इस बात का सूचक है कि वह और उनकी पार्टी देश के निर्माण में अहम योगदान देने वाले चाहे वो किसी भी पार्टी के हों, उनके प्रति विश्वास को दर्शाता है।

जाति, पंथ, मत, सम्प्रदाय से उपर उठकर राष्ट्र को समर्पित व्यक्तित्वों का सम्मान निरन्तर राष्ट्रीय एकात्मता को नई ऊर्जा, चेतना दे रहा है। लेकिन विरोधी स्वर तो हमेशा मीनमेख निकालते रहेंगे, पर नये भारत में यह तप है कि ''सबाका प्रयास, सबका विश्वास'' भारत को पुनः विश्वगुरू के स्थान पर प्रतिष्ठापित करेगा। आइये मिलकर नये विकसित, श्रेष्ठ भारत के निमार्ण में जुट जायें।

विकसित भारत की राह : मोदी

राष्ट्रपति जी का भाषण एक प्रकार से तथ्यों के आधार पर, हकीकतों के आधार पर एक बहुत बड़ा दस्तावेज़ है, जो देश के सामने राष्ट्रपति जी ने रखा है और इस पूरे दस्तावेज़ को आप देखेंगे तो उन हकीकतों को समेटने का प्रयास किया है, जिससे देश किस स्पीड से प्रगति कर रहा है, किस स्केल के साथ गतिविधियों का विस्तार हो रहा है, उसका लेखा–जोखा राष्ट्रपति जी ने प्रस्तुत किया है। आदरणीय राष्ट्रपति जी ने भारत के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए चार मजबूत स्तंभों पर हम सबका ध्यान केंद्रित किया है, और उनका सही–सही आकलन है कि देश के चार स्तम्भ जितने ज्यादा मजबूत होंगे, जितने ज्यादा विकसित होंगे, जितने ज्यादा समृद्ध होंगे, हमारा देश उतना ही समृद्ध होगा, उतना ही तेजी से समृद्ध होगा। और उन्होंने इन 4 स्तंभों का उल्लेख करते हुए देश की नारी शक्ति, देश की युवा शक्ति, देश के हमारे गरीब भाई–बहन, और देश के हमारे किसान, हमारे मछुआरे, हमारे पशुपालक उनकी चर्चा की है। इनके सशक्तिकरण के माध्यम से राष्ट्र के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के जो राह हैं उसका स्पष्ट दिशानिर्देश आदरणीय राष्ट्रपति जी ने कहा है अच्छा होता, हो सकता है आपके यहां fisherman minority के न हों, हो सकता है आपके यहां पशुपालक minority के न हों, हो सकता है किसान आपके यहां minority के न हों, हो सकता है महिलाएं आपके यहां minority में न हों, हो सकता है कि आपके यहां युवा में minority- क्या हो गया है दादा? ये क्या इस देश के युवा की बात होती है। समाज के सब वर्ग नहीं होते हैं। क्या देश की नारी की बात होती है। देश की सभी नारी नहीं होती हैं। कब तक टुकड़ों में सोचते रहोगे, कब तक समाज को बांटते रहोगे। शब्द सीमा करो सीमा करो, बहुत तोड़ा देश को।

अच्छा होता कि जाते–जाते तो कम से कम इस चर्चा के दरमियान कुछ सकारात्मक बातें होती। कुछ सकारात्मक सुझाव आते, लेकिन हर बार की तरह आप सब साथियों ने देश को बहुत निराश किया है। क्योंकि आपकी सोच की मर्यादा देश समझता रहा है। उसको बार बार दर्द होता है कि ये दशा है इनकी। इनकी सोचने की मर्यादा इतनी है।

नेता तो बदल गए, लेकिन टैप रिकॉर्डर वही बज रही है। वही बातें, कोई नयी बात आती नहीं। और पुरानी ढपली और पुराना राग, वही चलता रहता है आपका। चुनाव का वर्ष था थोड़ी मेहनत करते, कुछ नया निकालकर के लाते जनता को जरा संदेश दे पाते, उसमें भी फैल गए आप। चलिए ये भी मैं सिखाता हूं।

आदरणीय अध्यक्ष जी,

जब हम दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनकर के उभरेंगे, कहते हैं, तो हमारे विपक्ष में बैठे कुछ साथी कैसा कुतर्क देते हैं, कैसा कुतर्क देते हैं, वो कहते हैं – इसमें क्या है ये तो अपने आप हो जाएगा। क्या कमाल है आप लोगों का, मोदी का क्या है, ये तो अपने आप हो जाएगी। मैं जरा सरकार की भूमिका क्या होती है, इस सदन के माध्यम से देश को और विशेषकर के देश के युवा मन को बताना चाहता हूं, देश की युवा शक्तियों को बताना चाहता हूं कि होता कैसे है, और सरकार की भूमिका क्या होती है।

शहरी गरीबों के लिए, हमने गरीबों के लिए 4 करोड़ घर बनाए। और शहरी गरीबों के लिए 80 लाख पक्के मकान बने। अगर कांग्रेस की रफ्तार से ये घर बने होते तो क्या हुआ होता मैं इसका हिसाब लगाता हूं, अगर कांग्रेस की जो रफ्तार थी, उस प्रकार चला होता तो 100 साल लगते इतना काम करने में, 100 साल लगते। पांच पीढ़ियां गुजर जातीं। 10 वर्ष में 40 हजार किलोमीटर रेलवे ट्रैक का electrification हुआ। अगर कांग्रेस की रफ्तार से देश चलता, इस काम को करने में 80 साल लग जाते, एक प्रकार से 4 पीढ़ियां गुजर जातीं।

हमने 17 करोड़ अधिक गैस कनेक्शन दिए, ये मैं 10 साल का हिसाब दे रहा हूं। अगर कांग्रेस की चाल से चलते तो ये कनेक्शन देने में और 60 साल लग जाते, 3 पीढ़ियां धुएं में खाना पकाते–पकाते गुजर जाती।

हमारी सरकार में सेनिटेशन कवरेज 40 परसेंट से 100 पर्सेंट तक पहुंची है। अगर कांग्रेस की रफ्तार होती तो ये काम होते–होते 60–70 साल और लगते और कम से कम तीन पीढ़ियां गुजर जातीं, लेकिन गारंटी नहीं होता कि नहीं होता।

कांग्रेस की जो मानसिकता है, जिसका देश को बहुत नुकसान हुआ है। कांग्रेस ने देश के सामर्थ्य पर कभी भी विश्वोस नहीं किया है, वे अपने–आपको शासक मानते रहे और

जनता–जनार्दन को हमेशा कमतर आंकते गए, छोटा आंकते गए।

देश के नागरिकों के लिए कैसा सोचते थे, मैं जानता हूं, मैं नाम बोलूंगा तो उनको जरा चुभन होगी। लेकिन 15 अगस्तम, लाल किले से प्रधानमंत्री नेहरू ने जो कहा था, वो मैं जरा पढ़ता हूं– लाल किले से भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ने जो कहा था, वो पढ़ रहा हूं नेहरू जी ने, उन्होंने कहा था, "हिन्दुस्तान में काफी मेहनत करने की आदत आमतौर से नहीं है। हम इतना काम नहीं करते थे, जितना कि यूरोप वाले या जापान वाले, या चीन वाले, या रूस वाले, या अमेरिका वाले करते हैं।" ये नेहरू जी लाल किले से बोल रहे हैं। "ये न समझिए कि वो कौमें कोई जादू से खुशहाल हो गईं, वो मेहनत से हुई हैं और अक्लक से हुई हैं।" ये उनको सर्टिफिकेट दे रहे हैं, भारत के लोगों को नीचा दिखा रहे हैं। यानी नेहरू जी की भारतीयों के प्रति सोच थी कि भारतीय आलसी हैं। नेहरू जी की भारतीयों के लिए सोच थी कि भारतीय कम अक्ल के लोग होते हैं।

इंदिरा जी की सोच भी उससे ज्यीदा अलग नहीं थी। इंदिरा जी ने जो लाल किले से 15 अगस्तफ को कहा था– लाल किले से 15 अगस्ती को इंदिरा जी ने कहा था– "दुर्भाग्य वश हमारी आदत ये है कि जब कोई शुभ काम पूरा होने को होता है तो हम आत्म तुष्टि की भावना से ग्रस्त हो जाते हैं और जब कोई कठिनाई आ जाती है तो हम नाउम्मींद हो जाते हैं। कभी–कभी तो ऐसा लगने लगता है कि पूरे राष्ट्र ने ही पराजय भावना को अपना लिया है।"

आज कांग्रेस के लोगों को देख करके लगता है कि इंदिरा जी भले देश के लोगों का आकलन सही न कर पाईं, लेकिन कांग्रेस का एकदम सटीक आकलन उन्होंने किया था। कांग्रेस के शाही परिवार के लोग मेरे देश के लोगों को ऐसा ही समझते थे, क्योंकि वे सब ऐसे ही थे और आज भी वही सोच देखने को मिलती है।

देश की जनता ने हमें जब पहली बार सेवा करने का अवसर दिया तो हमने पहले कार्यकाल में यूपीए के समय के जो गड्ढे थे, वो गड्ढे भरने में हमारा काफी समय और शक्ति लगी। हम पहले कार्यकाल में वो गड्ढे भरते रहे। हमने दूसरे कार्यकाल में नए भारत की नींव रखी और तीसरे कार्यकाल में हम विकसित भारत के निर्माण को नई गति देंगे।

पहले कार्यकाल में हमने स्वच्छ भारत, उज्वला, आयुष्मान भारत, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ। उसी प्रकार से सुगम्य भारत, डिजिटल इंडिया। ऐसे कितने ही जनहित के कामों को अभियान का स्वरूप दे करके आगे बढ़ाया। टैक्स् व्यवस्था आसान हो, इसके लिए जीएसटी जैसे निर्णय लिए और हमारे इन कामों को देख करके जनता ने भरपूर समर्थन दिया। जनता ने बहुत आशीर्वाद दिए। पहले से भी ज्यादा आशीर्वाद दिए और हमारा दूसरा कार्यकाल प्रारंभ हुआ। दूसरा कार्यकाल संकल्पों और वचनों की पूर्ति का कार्यकाल रहा। जिन उपलब्धियों का देश लम्बे समय से इंतजार कर रहा था वो सारे काम हमने दूसरे कार्यकाल में पूरे होते देखे हैं। हम सबने 370 खत्म होते हुए देखा है, इन्हीं माननीय सांसदों की आंखों के सामने और उनके वोट की ताकत से 370 गया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, ये दूसरे कार्यकाल में कानून बना।

अंतरिक्ष से ले करके ओलंपिक तक, सशक्त बलों से संसद तक नारी शक्ति के सामर्थ्य की गूंज उठ रही है। ये नारी शक्ति के सशक्तिकरण को आज देश ने देखा है।

उत्तिर से दक्षिण तक, पूर्व से पश्चिम तक लोगों ने दशकों से अटकी, भटकी, लटकी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरे होते हुए देखा है।

अंग्रेजी शासन के पुराने कानून जो दंड प्रधान थे, उन दंड प्रधान कानूनों से हट करके हमने न्याय संहिता तक प्रगति की है। हमारी सरकार ने सैकड़ों ऐसे कानूनों को समाप्त किया, जो अप्रासंगिक हो गए थे। सरकार ने 40 हजार से ज्यादा compliances खत्म कर दिए।

भारत ने अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों से भविष्य की उन्नति के सपने देखे हैं।

देश के गांव–गांव ने, देश के कोटि–कोटि जनों ने विकसित भारत की संकल्पन यात्रा देखी है और saturation के पीछे कितनी मेहनत की जाती है, उसके हक की चीज उसको मिले, उसके दरवाजे पर दस्तक देकर करके देने का प्रयास देश पहली बार देख रहा है।

उत्तर से दक्षिण तक, पूर्व से पश्चिम तक लोगों ने दशकों से अटकी, भटकी, लटकी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरे होते हुए देखा है।

भगवान राम न सिर्फ अपने घर लौटे, बल्कि एक ऐसे मंदिर का निर्माण हुआ, जो भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा को नई ऊर्जा देता रहेगा।

अब हमारी सरकार का तीसरा कार्यकाल भी बहुत दूर नहीं है। ज्यादा से ज्यादा सौ–सवा सौ दिन बाकी हैं और अबकी बार मोदी सरकार, पूरा देश कह रहा है अबकी बार मोदी सरकार, खड़गे जी भी कह रहे हैं अबकी बार मोदी सरकार। लेकिन अध्यक्ष जी, मैं आम तौर पर ये आंकड़े–वाकड़े के चक्कर में नहीं पड़ता हूँ। लेकिन मैं देख रहा हूँ, देश का मिजाज, एनडीए को 400 पार करवाकर ही रहेगा। लेकिन भारतीय जनता पार्टी को 370 सीट अवश्य देगा। बीजेपी को 370 सीट और एनडीए को 400 पार।

हमारा तीसरा कार्यकाल बहुत बड़े फैसलों का होगा। मैंने लाल किले से कहा था और राम मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा के समय भी मैंने उसको दोहराया था। मैंने कहा था– देश को अगले हजार वर्षों तक समृद्ध और सिद्धि के शिखर पर देखना चाहता हूँ। तीसरा कार्यकाल अगले एक हजार वर्षों के लिए एक मजबूत नींव रखने का कार्यकाल बनेगा।

मैं भारतवासियों के लिए, उनके भविष्य के लिए बहुत ही विश्वास

से भरा हुआ हूँ। मेरा देश के 140 करोड़ नागरिकों के सामर्थ्य पर अपार भरोसा है, मेरा बहुत विश्वास है। 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं, ये सामर्थ्य दिखाता है।

मैंने हमेशा कहा है कि गरीब को अगर साधन मिले, गरीब को अगर संसाधन मिले, गरीब को अगर स्वाभिमान मिले तो हमारा गरीब गरीबी को परास्त करने का सामर्थ्य रखता है और हमने वो रास्ता चुना और मेरे गरीब भाइयों ने गरीबी को परास्त करके दिखाया है। और इसी सोच के साथ हमने गरीब को साधन दिये, संसाधन दिये, सम्मान दिया, स्वाभिमान दिया। 50 करोड़ गरीबों के पास आज बैंक खाता है। कभी वो बैंक से गुजर भी नहीं पाते थे। 4 करोड़ गरीबों के पास पक्का घर है और वो घर उसके स्वाभिमान को एक नया सामर्थ्य देता है। 11 करोड़ से अधिक परिवारों को पीने का शुद्ध जल पानी नल से मिल रहा है। 55 करोड़ से अधिक गरीबों को आयुष्मान भारत कार्ड मिला है। घर में कोई भी बीमारी आ जाए, उस बीमारी के कारण फिर से गरीबी की तरफ लुढ़क न जाए, उसको भरोसा है कितनी भी बीमारी क्यों न आ जाए, मोदी बैठा है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज की सुविधा दी गई है।

मोदी ने उनको पूछा जिनको पहले कोई पूछता तक नहीं था। देश में पहली बार रेहड़ी–पटरी वाले साथियों के बारे में सोचा गया। पीएम स्वनिधि योजना से आज वो ब्याज के चक्कर से बाहर निकले, बैंक से पैसे लेकर के अपने कारोबार को बढ़ा रहे हैं। देश में पहली बार हाथ का हुनर जिनका सामर्थ्य है, जो राष्ट्र का निर्माण भी करते हैं, ऐसे मेरे विश्वकर्मा साथियों के बारे में सोचा गया। उनको आधुनिक टूल, आधुनिक ट्रेनिंग, पैसों की मदद, विश्व मार्किट उनके लिए खुल जाए, ये मेरे विश्वकर्मा भाइयों के लिए हमने किया है। देश में पहली बार PVTG यानि जनजातियों में भी अति पिछड़े जो हमारे जो भाई–बहन हैं, संख्या बहुत कम है, वोट के हिसाब से किसी को नजर नहीं जाती, हम वोट से परे हैं, हम दिलों से जुड़े हैं और इसलिए PVTG जातियों के लिए पीएम जनमन योजना बनाकर के उनके कल्याण का मिशन मोड में काम उठाया है। इतना ही नहीं, सरहद के जो गांव थे, जिनको आखिरी गांव करके छोड़ दिया गया था, हमने वो आखिरी गांव को पहला गांव बनाकर के विकास की पूरी दिशा बदल दी।

मैं जब बार–बार मिलेट्स की वकालत करता हूँ, मिलेट्स की दुनिया के अंदर जा करके चर्चा करता हूँ। जी–20 के देशों के लोगों के सामने गर्व के साथ मिलेट्स परोसता हूँ, उसके पीछे मेरे दिल में 3 करोड़ से ज्यादा मेरे छोटे किसान हैं जो मिलेट्स की खेती करते हैं, इनका कल्याण इससे हम जुड़े हुए हैं।

जब मैं वोकल फॉर लोकल करता हूँ, जब मैं मेक इन इंडिया की बात करता हूँ, तब मैं करोड़ों गृह उद्योग, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग उससे जुड़े हुए मेरे लाखों परिवारों के साथ उनके कल्याण के लिए सोचता हूँ।

हमारी सरकार हर कोने में गरीबी को निकालने के लिए, गरीब को समृद्ध बनाने के लिए अनेक विविध प्रयासों को कर रही है। जिनके लिए वोट बैंक ही था, उनके लिए उनका कल्याण संभव नहीं था। हमारे लिए उनका कल्याण राष्ट्र का कल्याण है और इसलिए हम उसी रास्ते पर चल पड़े हैं।

आदरणीय अध्यक्ष जी,

कांग्रेस पार्टी ने, यूपीए सरकार ने ओबीसी समुदाय के साथ भी कोई न्याय नहीं किया है, अन्याय किया है। इन लोगों ने ओबीसी नेताओं का अपमान करने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी है। कुछ दिन पहले जब कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न दिया, हमने वो सम्मान दिया। लेकिन याद करिये, उस कर्पूरी ठाकुर अति पिछड़े समाज से ओबीसी समाज के उस महापुरुष के साथ क्या व्यवहार हुआ था। किस प्रकार से उनके साथ जुल्म किया। 1970 में बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं, तो उनको पद से हटाने के लिए कैसे–कैसे खेल खेले गए थे। उनकी सरकार अस्थिर करने के लिए क्या कुछ नहीं किया गया था।

पिछले 10 वर्षों में नारी शक्ति के सशक्तिकरण को लेकर के अनेक कदम उठाए गए हैं। नारी के नेतृत्व में समाज के सशक्तिकरण पर काम किया गया है।

अब देश की बेटी, हिन्दुस्तान में कोई ऐसा सेक्टर नहीं है, जहां देश की बेटियों के लिए दरवाजे बंद हों। आज हमारे देश की बेटियां फाइटर जेट भी उड़ा रही हैं और हमारे देश की सीमाओं को भी सुरक्षित रख रही हैं।

पहले ये बात होती थी, प्रेग्नेंट होने पर नौकरी नहीं कर पाओगी। आज कहा जाता है 26 हफ्ते की पेड लीव और बाद में भी अगर छुट्टी चाहिए तो मिलेगी, ये बदलाव होता है। पहले समाज में सवाल होते थे कि महिला होकर नौकरी क्यों करना चाहती हो। क्या पति की सैलरी कम पड़ रही है, ऐसे ऐसे सवाल होते थे। आज लोग पूछ रहे हैं मैडम आपका जो स्टार्टअप है न बहुत प्रगति कर रहा है, क्या मुझे नौकरी मिलेगी। ये बदलाव आया है। एक समय था, जब सवाल पूछा जाता था, कि बेटी की उम्र बढ़ रही है, शादी कब करोगी। आज पूछा जाता है बेटी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों कामों को संतुलित कितना बढ़िया करती हो, कैसे करती हो?

एक समय था घर में कहा जाता था कि घर के मालिक घर पर है कि नहीं है, ऐसा पूछा जाता था। घर के मुखिया को बुलाइये, ऐसा कहते थे। आज किसी के घर जाते हैं तो घर महिला के नाम पर, बिजली का बिल उसके नाम पर आता है। पानी, गैस सब उसके नाम पर, उस परिवार के मुखिया की जगह आज मेरी माताएं–बहनों ने ले ली है। ये बदलाव आया है। ये बदलाव अमृतकाल में विकसित भारत का हमारा जो संकल्प है न, इसकी एक बहुत बड़ी शक्ति के रूप में ये उभरने वाला है और मैं उस शक्ति के दर्शन कर पा रहा हूँ।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

किसानों के लिए आंसू बहाने की आदत मैंने बहुत देखी है। किसानों के साथ कैसा–कैसा विश्वासघात किया गया है, ये देश ने देखा है। कांग्रेस के समय कृषि के लिए कुल वार्षिक बजट होता था– 25 हजार करोड़ रुपये। आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार का बजट है सवा लाख करोड़ रुपये।

पीएम किसान सम्मान निधि 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये हमने भेजे। पीएम फसल बीमा योजना 30 हजार रुपये का प्रीमियम और उसके सामने 1.5 लाख करोड़ रुपया मेरे किसान भाई–बहनों को दिया है। कांग्रेस के अपने शासन काल में कभी भी मछुआरे, पशुपालक की तो कभी नामोनिशान नहीं था उनके काम में पहली बार इस देश में मछुआरों के लिए अलग मंत्रालय बना, पशुपालन के लिए अलग मंत्रालय बना। पहली बार पशुपालक को, मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड दिया गया, ताकि कम ब्याज से उसको बैंक से पैसा मिल सके वो अपना कारोबार बढ़ा सके। किसानों और मछुआरों, ये चिंता सिर्फ जानवरों की ही नहीं होती है, जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सां है। आर्थिक चक्र को चलाने में इन पशुओं की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। हमने फुट एंड माउथ disease, उससे हमारे पशुओं को बचाने के लिए 50 करोड़ से ज्यादा टीके लगाए हैं, पहले कभी सोचा नहीं था किसी ने।

एक समय था, जब सवाल पूछा जाता था, कि बेटी की उम्र बढ़ रही है, शादी कब करोगी। आज पूछा जाता है बेटी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों कामों को संतुलित कितना बढ़िया करती हो, कैसे करती हो?

आज भारत में युवाओं के लिए जितने नए अवसर बने हैं, ये पहले कभी नहीं बने हैं। आज पूरी vocabulary बदल गई है, शब्द जो पहले कभी सुनने को नहीं मिलते थे, वो बोलचाल के साथ दुनिया में आ चुके हैं। आज चारों तरफ स्टार्टप्स की गूंज है, यूनिकॉर्न्स चर्चा में है। आज Digital Creators एक बहुत बड़ा वर्ग हमारे सामने है। आज ग्रीन इकोनॉमी की चर्चा हो रही है। ये युवाओं की जुबान पर ये नए भारत की नई vocabulary है। ये नई आर्थिक साम्राज्य के नए परिवेश हैं, नई पहचान है। ये सेक्टर युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर बना रहे हैं। 2014 से पहले Digital Economy का साइज़ न के बराबर था, बहुत ज्यादा उसकी चर्चा भी नहीं थी। आज भारत दुनिया की Digital Economy में अग्रणी है। लाखो युवा इससे जुड़े हैं और आने वाले समय में ये Digital India Movement जो है, वो देश के नौजवानों के लिए अनेक–अनेक अवसर, अनेक–अनेक रोजगार, अनेक–अनेक प्रोफेशनल्सा के लिए अवसर लेकर के आने वाला है।

आज भारत मेड इन इंडिया फोन दुनिया में पहुंच रहे हैं। दुनिया में हम नंबर 2 बन गए हैं। और एक तरफ सस्ता मोबाइल प्राप्त। हुआ है और दूसरी तरफ सस्ता डेटा, इन दोनों की वजह से एक बहुत बड़ा revolution आया है देश में और दुनिया में हम जिस कीमत पर आज हमारे नौजवानों को ये प्राप्त करवा रहे हैं, सबसे कम कीमत पर करवा रहे हैं और वो एक कारण बना है। आज मेड इन इंडिया अभियान, रिकॉर्ड मैन्युफैक्चरिंग, रिकॉर्ड एक्सपोर्ट ये आज देश देख रहा है।

ये सारे काम हमारे नौजवानों के लिए सबसे ज्यादा रोजगार लाने वाले काम हैं, सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करने वाले हैं।

10 वर्ष में टूरिज्म सेक्टर में अभूतपूर्व उछाल आया है। हमारे देश में ये ग्रोथ और टूरिज्म सेक्टर ऐसा है कि इसमें कम से कम पूंजी निवेश में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने वाला अवसर है और सामान्य से सामान्य व्यक्ति को भी ये रोजगार देने वाला अवसर है। स्वरोजगार की सबसे ज्यादा संभावनाओं वाला टूरिज्म क्षेत्र है। 10 वर्ष में एयरपोर्ट 2 गुने बने। भारत सिर्फ एयरपोर्ट बने ऐसा नहीं है, भारत दुनिया का तीसरा बड़ा डोमेस्टिक एविएशन सेक्टर बना है, दुनिया का तीसरा बड़ा। हम सबको खुशी होनी चाहिए, भारत की जो एयरलाइंस कंपनियां हैं, उन्होंने 1 हजार नए एयरक्राफ्ट के आर्डर दिए हैं, देश में 1 हजार नए एयरक्राफ्ट और जब इतने सारे हवाई जहाज ऑपरेट होंगे, सारे एयरपोर्ट कितने चमकते होंगे। कितने पायलट्स की जरूरत पड़ेगी, कितने हमें क्रू मेंबर चाहिए, कितने इंजीनियर्स चाहिए, कितने ग्राउंड सर्विस के लोग चाहिए यानी रोजगार के नए–नए क्षेत्र खुलते जा रहे हैं। एविएशन सेक्टर भारत के लिए एक बहुत बड़ा नया अवसर बनकर के आया है।

हमारी कोशिश रही है कि इकोनॉमी को हम thermolise करने की दिशा में मजबूती से कदम उठाएं। युवाओं को नौकरी भी मिले, सोशल सिक्योवरिटी भी मिले। इन दोनों को लेकर के और अपनी जिन बातों के आधार पर हम निर्णय करते हैं और देश में भी माना जाता है वो एक होता है डेटा ईपीएफओ का। ईपीएफओ में जो रजिस्ट्रेशन होता है 10 साल में करीब 18 करोड़ नए सब्सक्राइबर आए हैं और वो तो सीधा पैसों से जुड़ा खेल होता है, उसमें फर्जी नाम नहीं होते हैं। मुद्रा लोन पाने वालों में 8 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने जीवन में पहली बार कारोबार अपना शुरू किया है, बिजनेस शुरू किया है। और जब मुद्रा लोन लेता है तो खुद तो रोजगार पाता है, एक या दो और लोगों को

भी रोजगार देता है, क्योंकि उसका काम ऐसा होता है। हमने लाखों स्ट्रीट वेंडर्स को सपोर्ट किया है। 10 करोड़ महिलाएं ऐसे ही चीजों से जुड़ी, जैसा मैंने कहा है एक लाख लखपति दीदी, एक करोड़ ये अपने आप में बहुत है। और मैंने जैसा कहा हम 3 करोड़ लखपति दीदी हमारे देश के अंदर देखेंगे।

कुछ आंकड़े हैं, जो अर्थशास्त्री समझते हैं ऐसा नहीं है, सामान्य मानवी भी समझता है। 2014 से पहले के 10 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में करीब–करीब 12 लाख करोड़ का बजट था, 10 साल में 12 लाख करोड़। बीते 10 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के अंदर बजट 44 लाख करोड़, रोजगार कैसे बढ़ते हैं, इससे समझ आता है।

यहां महंगाई को लेकर के काफी कुछ बातें की गई हैं। मैं जरूर चाहूंगा कि देश के सामने कुछ सच्चाई आनी चाहिए। इतिहास गवाह है, जब भी कांग्रेस आती है, महंगाई लाती है। मैं कुछ वक्तव्य इस सदन में आज कहना चाहता हूं और किसी की आलोचना करने के लिए नहीं कह रहा हूं, लेकिन हो सकता है हमारी बात जो समझ नहीं पाते हैं, वो अपने लोगों की बात को समझने का प्रयास करेंगे। कहा गया था कभी और किसने कहा था वो मैं बाद में कहूंगा। 'हर चीज की कीमत बढ़ जाने की वजह से मुसीबत फैली है, आम जनता उनमें फंसी है'। ये statement of fact किसका है ये कहा था, हमारे पंडित नेहरू जी ने लाल किले से कहा था उस समय। 'हर चीज की कीमत बढ़ जाने की वजह से मुसीबत फैली है आम जनता उनमें फंसी है', ये उस समय की बात है। उन्होंने माना था लाल किले से, चारों तरफ महंगाई बढ़ी है। अब इस वक्तव्य के 10 साल के बाद, नेहरू जी के इस वक्तव्य के 10 साल के बाद एक और वक्तव्य का quote आपके सामने रखता हूं। आप लोग, मैं quote बता रहा हूं, आप लोग आजकल भी कुछ दिक्कतों में हैं, परेशानियों में हैं, महंगाई की वजह से, कुछ तो लाचारी है, पूरी तौर से काबू की बात नहीं हो पा रही है, हमारे इस समय में हालांकि वो काबू में आएगी। 10 साल के बाद भी महंगाई के यही गीत कहे गए थे और ये किसने कहा थे फिर से ये नेहरू जी ने कहा था उन्हीं के कार्यकाल में। तब देश का पीएम रहते उन्होंने, 12 साल हो चुके थे, लेकिन हर बार महंगाई कंट्रोल में नहीं आ रही है, महंगाई के कारण आपको मुसीबत हो रही है, इसी के गीत गाते रहे थे।

2014 से पहले के 10 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में करीब–करीब 12 लाख करोड़ का बजट था, 10 साल में 12 लाख करोड़। बीते 10 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के अंदर बजट 44 लाख करोड़, रोजगार कैसे बढ़ते हैं, इससे समझ आता है।

अब मैं एक और भाषण का हिस्सा पढ़ रहा हूं। जब देश आगे बढ़ता है तो कुछ हद तक कीमतें भी बढ़ती है, हमको ये भी देखना है कि जो भी आवश्यक वस्तु है उनकी कीमत को कैसे थामे। ये किसने कहा था इंदिरा गांधी जी ने कहा था। 1974 में जब सारे देश में उन्होंने सारे दरवाजें पर ताले लगा दिए थे, लोगों को जेल में बंद कर दिया था। 30 पर्सेंट महंगाई थी, 30 पर्सेंट।

अपने भाषण में यहां तक कहा गया था, क्या कहा था– आप चौक जाएंगे। उन्होंने कहा था अगर जमीन न हो यानि कुछ पैदावार के लिए जमीन न हो तो अपने गमले और कनस्तर में सब्जी उगा लें। ये ऐसी सलाहें उच्च पद पर बैठे हुए लोग दिया करते थे। जब देश में महंगाई को लेकर के 2 गाने सुपरहिट हुए थे, हमारे देश में। घर–घर गाए जाते थे। एक महंगाई मार गई और दूसरा महंगाई डायन खाय जात है। और ये दोनों गाने कांग्रेस के शासनकाल में आए।

यूपीए के शासनकाल में महंगाई डबल डिजिट में थी, डबल डिजिट में महंगाई थी, इसको नकार नहीं सकते हैं। और यूपीए सरकार का तर्क क्या था– असंवेदनशीलता। ये कहा गया था कि महंगी आइसक्रीम खा सकते हो तो महंगाई का रोना क्यों रो रहे हो, ये कहा गया था। जब भी कांग्रेस आई है, उसने महंगाई को ही मजबूत किया है।

हमारी सरकार ने महंगाई को लगातार नियंत्रण में रखा है। दो–दो युद्ध के बावजूद और 100 साल में आए सबसे बड़े संकट के बावजूद महंगाई नियंत्रण में है, और हम कर पाए हैं।

इनके समय में एजेंसियों का सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक उपयोग के लिए उपयोग किया जाता था। बाकी उनको कोई काम करने नहीं दिया जाता था। अब आप देखिए उनके कालखंड में क्या हुआ– PMLA Act तहत हमने पहले के मुकाबले दो गुने से अधिक केस दर्ज किए हैं। कांग्रेस के समय में ईडी ने 5 हजार करोड़ रूपये की संपत्ति जब्त की थी। हमारे कार्यकाल में ईडी ने 1 लाख करोड़ रूपये की संपत्ति, ये देश का लूटा हुआ माल देना ही पड़ेगा। और जिनका इतना सारा माल पकड़ा जाता हो, नोटों के ढ़ेर पकड़े जाते हो। और अधीर बाबू तो बंगाल से आते हैं, देखें हैं नोटों के ढ़ेर उन्होंने तो। किस–किस के घर में से पकड़े जाते हैं, किस–किस राज्यों में पकड़े जाते थे। देश ये नोटों के ढ़ेर देख–देखकर के चौक गया है। लेकिन अब जनता को आप मूर्ख नहीं बना सकते, जनता देख रही है कि किस प्रकार से यूपीए सरकार में जो भ्रष्टाचार की बातें होती थी, उसका टोटल 10–15 लाख करोड़ का रहा है, चर्चा होती थी।

हमने लाखों–करोड़ के घोटाले तो अटकाए, लेकिन उन सारे पैसों को गरीबों के काम लगा दिया, गरीबों के कल्याण के लिए। अब बिचौलियों के लिए गरीबों को लूटना बहुत मुश्किल हो गया है। Direct Benefit Transfer, जनधन अकाउंट, आधार, मोबाइल उसकी ताकत हमने पहचानी है। 30 लाख करोड़ रूपये से ज्यादा रकम हमने लोगों के खाते में सीधी पहुंचाई है। और अगर कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर एक रुपया भेजते हैं, 15 पैसे पहुंचते हैं, अगर उस हिसाब से मैं देखूं तो हमने

जो 30 लाख भेजे हैं, अगर उनका जमाना होता तो कितना रुपया कहां चला जाता इसका हिसाब लगाइए। 15 पर्सेंट मुश्किल से लोगों के पास पहुंचता, बाकी सब कहां चला जाता। हमने 10 करोड़ फर्जी नाम हटाए हैं, अभी लोग पूछते हैं ना कि पहले इतना आंकड़ा था क्यों कम हुआ, आपने ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिस बेटी का जन्म नहीं हुआ, उसको आपके यहां से विधवा पेंशन जाती थी। और ऐसे सरकारी योजनाओं को मारने के जो रास्ते थे ना 10 करोड़ फर्जी नाम बंद किए, ये जो परेशानी है ना, इन चीजों की है। क्योंकि रोजमर्रा की आय इनकी बंद हो गई है।

हमने ये फर्जी नामों को हटाने से करीब–करीब 3 लाख करोड़ रूपया फर्जी हाथों में जाने से बचाया है, गलत हाथों में जाने से बचाया है। देश के taxpayer का पाई–पाई बचाना और सही काम में लगाना इसके लिए हमने जीवन खपा रखे हैं।

सभी राजनीतिक दलों को भी सोचने की जरूरत है, और समाज में भी जो लोग बैठे हैं, उनको देखने की जरूरत है। आज देश का दुर्भाग्य है, पहले तो क्लासरूम में भी कोई अगर चोरी करता था, किसी की कॉपी करता था, तो वो भी 10 दिन तक अपना मुंह किसी को दिखाता नहीं था। आज जो भ्रष्टाचार के आरोप, जिन पर सिद्ध हो चुके हैं, जो जेलों में समय निकालकर के पेरोल पर आए हैं, आज washing machine से भी बड़ा कंधे पर लेकर के महिमामंडन कर रहे हैं ऐसे चोरों का सार्वजनिक जीवन में। कहा ले जाना चाहते हो देश को तुम, जो सजा हो चुकी है, मैं ये तो समझता हूं कि आरोप जो हैं उनके लिए तो आप सोच सकते हैं लेकिन जो गुनाह सिद्ध हो चुका है, जो सजा काट चुके हैं, जो सजा काट रहे हैं, ऐसे लोगों का महिमामंडन करते हो आप। कौन सा कल्चर और देश की भावी पीढ़ी को क्या प्रेरणा देना चाहते हो आप, कौन से रास्ते और ऐसी कौन–सी आपकी मजबूरी है। और ऐसे लोगों का महिमामंडन किया जा रहा है, उनको महान बताया जा रहा है। जहां संविधान का राज है, जहां लोकतंत्र है, माननीय अध्यक्ष जी ऐसी बातें लंबी नहीं चल सकती हैं, ये लोग लिखकर के रखें। ये जो महिमामंडन का काम चल रहा है उनका वो अपने, अपने ही खात्मे की चिठ्ठी पर सिग्नेचर कर रहे हैं ये लोग। जांच करना ये एजेंसियों का काम है। एजेंसियां स्वतंत्र होती हैं और संविधान ने उनको स्वतंत्र रखा हुआ है और जज करने का काम न्यायाधीश का है और वो अपना काम कर रहे हैं। और अध्यक्ष जी, मैं इस पवित्र सदन में फिर से दोहराना चाहूंगा, जिसको जितना जुल्म मुझ पर करना है कर लें, मेरी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चलती रहेगी। जिसने देश को लूटा है उनको लौटाना पड़ेगा, जिन्होंने देश को लूटा है, उनको लौटाना पड़ेगा। ये मैं देश को इस सदन की पवित्र जगह से वादा करता हूं। जिसको जो आरोप लगाना है, लगा लें, लेकिन देश को लुटने नहीं दिया जाएगा और जो लूटा है वो लौटाना पड़ेगा।

हमने 10 करोड़ फर्जी नाम हटाए हैं, अभी लोग पूछते हैं ना कि पहले इतना आंकड़ा था क्यों कम हुआ, आपने ऐसी व्यवस्था बना थी, जिस बेटी का जन्म नहीं हुआ, उसको आपके यहां से विधवा पेंशन जाती थी।

देश सुरक्षा और शांति का एहसास कर रहा है। पिछले दस वर्ष की तुलना में सुरक्षा के क्षेत्र में देश आज वाकई सशक्त हुआ है। आतंकवाद, नक्सलवाद एक छोटे दायरे में अब सिमटा हुआ है। लेकिन भारत की जो टेररिज्म के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति है, आज पूरे विश्व को भी भारत की इस नीति की तरफ चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। भारत की सेनाएं सीमाओं से ले करके समंदर तक अपने सामर्थ्य को ले करके आज उनकी धाक है। हमें हमारी सेना के पराक्रम पर गर्व होना चाहिए। हम कितना ही उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश करें, मुझे मेरी सेना पर भरोसा है, मैंने उनके सामर्थ्य को देखा है। कुछ राजनेता सेना के लिए हल्के–फुल्कें शब्द बोल दें, इससे मेरे देश की सेना demoralised होगी, इन सपनों में कोई रहते हैं तो निकल जाएं। देश के मूड को वो खत्म नहीं कर सकते और किसी के एजेंट बन करके इस प्रकार की भाषा अगर कहीं से भी उठती है, देश कभी स्वीकार नहीं कर सकता है। और जो खुलेआम देश में अलग देश बनाने की वकालत करते हैं, जोड़ने की बातें छोड़ो, तोड़ने की कोशिश की जा रही है, आपके अंदर क्या पड़ा हुआ है, क्या इतने टुकड़ करके अभी भी आपके मन को संतोष नहीं हुआ है? देश के इतने टुकड़े कर चुके हो आप, और टुकड़े करना चाहते हों, कब तक करते रहोगे? इसी सदन में अगर कश्मीर की बात होती थी, तो हमेशा चिंता का स्वतर निकलता था, छींटाकशी होती थी, आरोप–प्रत्यारोप होते थे। आज जम्मू–कश्मीर में अभूतपूर्व विकास की चर्चा हो रही है और गर्व के साथ हो रही है। पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। जी 20 समिट होती है वहां, पूरा विश्व आज उसकी सराहना करता है। आर्टिकल 370 को ले करके कैसा हौआ बनाकर रखा था। कश्मीर के लोगों ने जिस प्रकार से उसको गले लगाया है, कश्मीरी जनता ने जिस प्रकार से गले लगाया है, और आखिरकार ये समस्यां किसकी देन थी, किसने देश के माथे पर मारा था, किसने भारत के संविधान के अंदर इस प्रकार की दरार करके रखी हुई थी?

अगर नेहरू जी का नाम लेते हैं तो उनको बुरा लगता है, लेकिन कश्मीर को जो समस्योएं झेलनी पड़ीं, उसके मूल में उनकी ये सोच थी और उसी का परिणाम इस देश को भुगतना पड़ा है। जम्मू–कश्मीर के लोगों को, देश के लोगों को नेहरू जी की गलततियों की बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है।

वो भले गलतियां करके गए, लेकिन हम मुसीबतें झेल करके भी गलतियां सुधारने के लिए हमारी कोशिश जारी रहेगी, हम रुकने वाले नहीं हैं। हम देश के लिए काम करने के लिए निकले हुए लोग हैं। हमारे लिए नेशन फर्स्टर है।

प्रभु श्री राम को समर्पित बजट उ0प्र0 2024

यूपी बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर सबसे अधिक जोर दिया गया है। प्रदेश में सरकार की कोशिश कनेक्टिविटी विस्तार की है। हर वर्ग को साधने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा अयोध्या की तर्ज पर काशी और मथुरा का विकास करने की योजना है। इसके अलावा सरकार ने महिलाओं, किसानों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं।

- यूपी में 7,36,437.71 करोड़ रुपये का बजट विधानसभा में किया गया पेश
- लखनऊ में दिल्ली की तर्ज पर 1500 एकड़ में विकसित किया जाएगा एयरोसिटी
- यूपी के बजट में 24 हजार करोड़ की नई योजनाओं का लाया गया है प्रस्ताव

उत्तर प्रदेश का बजट विधानसभा में पेश किया गया। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह आठवां बजट है। यूपी सरकार एक बार फिर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर जोर दे रहा है। यूपी सरकार की ओर से उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में विकसित किए जाने पर जोर दिया जा रहा है। योगी सरकार की ओर से तमाम जिलों को इस बजट में विकास की राह दिखाई गई है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की ओर से पेश किए गए बजट को लेकर कहा है कि हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। बजट सर्व समावेशी होगा। सरकार हर वर्ग के लिए काम करने वाली है। वित्त मंत्री ने विधानसभा में बजट पेश किया।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद यह शहर अब वैश्विक पर्यटन का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। लखनऊ में दिल्ली की तर्ज पर एयरोसिटी का होगा निर्माण होगा। 1500 एकड़ में एयरोसिटी का विकास होगा। फ्यूचर एनर्जी पर 4000 करोड़ का एमओयू हुआ है। इस योजना के तहत सेवेन स्टार होटल और अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा। विधानसभा सदन में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये का बजट पेश किया। इसमें 24 हजार करोड़ रुपए की नई योजनाएं लाई गई हैं। वित्तीय वर्ष के बजट में राजकोषीय घाटा 3.46 फीसदी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी बजट को प्रभु श्रीराम को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि इस बजट को हम श्रीरामलला को अर्पित करते हैं। उन्होंने एक दोहा पढ़ा– एही महं आदि मध्य अवसाना। प्रभु प्रतिपाद्य राम

उत्तर प्रदेश रामराज्य की ओर

भगवाना। सीएम योगी ने कहा कि इस बजट की शुरुआत में, मध्य में और अंत में, सबमें प्रभु श्रीराम है। इसके विचार में, संकल्प में, एक– एक शब्द में श्रीराम हैं। उन्होंने कहा कि रामराज की अवधारणा के तहत बजट में हर वर्ग के विकास पर जोर दिया गया है।

यूपी सरकार ने 2024–25 का बजट पेश कर दिया है। सबसे बड़े बजट में किसानों के हितों का ध्यान रखा गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रदेश में कृषि के लिए तीन नई योजनाओं का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए तीन नई योजनाएं शुरू की जा रही हैं। राज्य कृषि विकास योजना, विश्व बैंक सहायतित एग्रीज योजना और तीसरी योजना विकास खंडों–ग्राम पंचायतों में स्वचालित मौसम केंद्र और स्वचालित वर्षा मापी यंत्र स्थापित करने से जुड़ी है। राज्य कृषि विकास योजना और विश्व बैंक सहायतित एग्रीज योजना के लिए बजट में 200–200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। कृषि की तीसरी योजना मद में 60 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। वित्त मंत्री ने बताया कि 2017 के बाद योगी सरकार किसानों का विकास करने में लगी है। बजट में भी किसानों को सिर आंखों पर रखा गया है। किसानों के हित को साधते हुए बजट सर्वसमावेशी रहा। उत्तर प्रदेश के बजट का आकार 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये का है।

किसान हीत का लक्ष्य :– प्रदेश में कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल 241.70 लाख हेक्टेयर है, जिसमें 160.95 लाख हेक्टेयर में खेती की जा रही है। योगी सरकार ने प्रदेश में कृषि क्षेत्र की विकास दर 5.1 प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।

कृषकों के निजी नलकूपों को रियायती दरों पर विद्युत आपूर्ति हेतु 2400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

पीएम कुसुम योजना के क्रियान्वयन हेतु 449 करोड़ 45 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है, जो वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में दोगुना से भी ज्यादा है।

डार्क जोन में नये निजी नलकूप कनेक्शन देने पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया गया है, जिससे लगभग एक लाख किसानों को सीधा फायदा हुआ।

बुन्देलखंड क्षेत्र में एकल रबी फसल की सिंचाई हेतु सीजनल टैरिफ का लाभ एवं अस्थाई विद्युत संयोजन की सुविधा प्रदान की गयी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र चौधरी ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे राज्यवसियों के लिए कल्याणकारी बजट बताया। चौधरी जी ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उत्तर प्रदेश राम राज्य की ओर बढ़ चला है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ सबका विकास के संकल्प को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा बनाये गये रोड मैप की झलक है। श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि सात लाख छत्तीस हजार करोड़ का यह बजट पूरी तरह जनहित को समर्पित है और जनकांक्षाओं को पूरा करने वाला है।

उन्होंने कहा भाजपा सरकार ने इसी संकल्पना को ध्यान में रखते हुए बजट में गाँव, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं का ख़ास ध्यान रखा है। रोज़गार सृजन के साथ ही किसानों की आय में वृद्धि, महिलाओं की सुरक्षा, उनको सशक्त बनाने की भी बात बजट में की गई है। गरीब कल्याण को समर्पित इस बजट ने समाज के सभी वर्गों की चिंता की है। प्रदेश सरकार ने कुल बजट में 25 फ़ीसदी हिस्सा इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स पर लगाने की बात कही है। इससे न केवल राज्य में निवेश आएगा बल्कि लोगों को रोज़गार के लिए नये अवसर मिलेंगे। राजकोषीय घाटा कम कर सरकार 24 हजार करोड़ से ज्यादा की नई जनकल्याणकारी योजनाएँ भी प्रदेश सरकार शुरू करेगी। यह प्रशंसनीय है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक पहचान के केंद्रों के पुनरुद्धार के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बजट में अयोध्या, मथुरा, काशी, चित्रकूट, नैमिष्यधाम, शीतलाधाम, विन्ध्यधाम सहित धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के अन्य जनपदों में विकास के लिए धन का आवंटन स्वागत योग्य है। इन तीर्थों के विकास से न केवल यहाँ तीर्थाटन बढ़ेगा बल्कि रोजगार के तमाम अवसर भी मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि 2017 के पहले की सरकारों का बजट जनता को ठगने वाला होता था। जहां जनहित की बजाय निजी हितों के लिए धन आवंटित होता था। 2017 के बाद यह परंपरा और परिपाटी दोनों बदली है। अब धन का आवंटन जानता के हित और आकांक्षाओं के अनुरूप किया जा रहा है।

वर्ष 2023–2024 में अक्टूबर 2023 तक लगभग 37 लाख किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण कराया गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 2022–2023 के लगभग 10 लाख बीमित कृषकों को अक्टूबर 2023 तक 831 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत दिसंबर 2023 तक लगभग 63,000 करोड़ रुपये डीबीटी से 2.62 करोड़ कृषकों के खातों में ट्रांसफर किया गया।

प्रधानमंत्री किसान मान–धन योजना के तहत प्रदेश के लघु एवं सीमांत कृषकों (महिला–पुरुष) को 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 3000 रुपये की सुनिश्चित मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है।

वर्ष 2017 से 29 जनवरी 2024 तक लगभग 48 लाख गन्ना किसानों को 2 लाख 33 हजार 793 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान कराया गया। गन्ना मूल्य भुगतान इसके पूर्व के 22 वर्षों के सम्मिलित गन्ना मूल्य भुगतान 2 लाख 1 हजार 519 करोड़ रुपये से भी 20,274 करोड़ रुपये अधिक है।

पेराई सत्र 2023 – 2024 के लिये गन्ने की अगैती प्रजाति का मूल्य 350 रुपये से बढ़ाकर 370 रुपये, सामान्य प्रजाति का 340 रुपये से बढ़ाकर 360 रुपये तथा अनूपयुक्त प्रजाति का मूल्य 335 रुपये से बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

कृषि शिक्षा और अनुसंधान

नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय गोंडा का संचालन शैक्षणिक सत्र 2023–24 से करते हुए पठन–पाठन शुरू।

कृषि व प्रौद्योगिक विश्विद्यालयों व महाविद्यालयों में विभिन्न नए कोर्सों के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।

महात्मा बुद्ध कृषि व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुशीनगर की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।

रामराज की अवधारणा वाला प्रदेश

वित्त मंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश का शासन कहीं न कहीं रामराज्य की अवधारणा से अनुप्रेरित है। सामाजिक–सांस्कृतिक, आर्थिक एवं आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर है तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के भव्य मन्दिर का अयोध्या में निर्माण होने से हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र को बहुत प्रोत्साहन मिला है। अयोध्या विश्व का बहुत बड़ा पर्यटन केन्द्र बन गया है, यहां पर भारत और विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बहुत बड़ा इजाफा हुआ है। इससे हमारी आर्थिक स्थिति को बढ़ावा मिलेगा।

सबका साथ सबका विकास पर जोर

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ–सबका विकास' नारे को चरितार्थ किया है। साथ ही हमारी नीतियां विशेष रुप से युवा, महिला, किसान व गरीबों के उत्थान को समर्पित हैं। यह तथ्य की सभी को जानकारी है कि हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। इसके साथ ही अवस्थापना और कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार एवं विस्तार के फलस्वरूप वर्ष 2023 में संपन्न ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के माध्यम से 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जिनसे 1.10 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा।

संगठित अपराध का सफाया

वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि प्रदेश में संगठित अपराध का सफाया हो चुका है और औद्योगिक क्षेत्र तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 की 96 लाख इकाईया हैं। आज प्रदेश के उद्यमियों द्वारा लगभग 2 लाख करोड़ रूपये का निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग में प्रदेश जो पहले 14वें स्थान पर हुआ करता था, आज देश में दूसरे स्थान पर है। आज उत्तर प्रदेश भारत का अग्रणी विकासशील प्रदेश बन चुका है।

देश के सपूतों को ''भारत रत्न'' आभार!

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न सम्मान देने पर केन्द्र सरकार व माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय नरसिम्हाराव और हरित क्रान्ति के जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भी भारत रत्न सम्मान दिये जाने पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार जताया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक जी ने विधान भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर पहुंचकर पुष्पार्चन कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर प्रदेश के राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, अमर पाल मौर्य, प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह, बसंत त्यागी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, विधायक राजेश चौधरी, राजीव गुम्बर जी सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता, विधायक व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ जीते हुए राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में उच्च आदर्शों और मूल्यों का पालन करते हुए किसानों के सम्मान और दलित, शोषित, वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए चौधरी साहब के संघर्ष को भूलाया नहीं जा सकता। भारतीय राजनीति में शुचिता, सादगी व सरलता की प्रतिमूर्ति अन्नदाता किसानों के सर्वागीण उन्नयन हेतु आजीवन संघर्षरत रहने वाले चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न सम्मान देकर मोदी सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह किसानों की सच्ची हितैषी है। किसानों, पिछडो, गरीबों, शोषितो और वंचितो को स्वाभिमान, सम्मान और उनको समाज में बराबरी का दर्जा देने का काम लगातार मोदी सरकार कर रही है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री पी. वी. नर सिम्हाराव जी को भारत रत्न से अंलकृत किये जाने के फैसले का स्वागत व अभिनंदन करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि नर सिम्हाराव जी द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में व्याप्त आर्थिक संकट को दूर करने का किया गया प्रयास सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भारत में हरित क्रांति के जनक,महान कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि क्रांति आंदोलन के प्रणेता श्री एम. एस. स्वामीनाथन जी को मरणोपरांत देश का सर्वश्रेष्ठ सम्मान "भारत रत्न" से सम्मानित किए जाने का निर्णय अद्वितीय एवं अभिनंदनीय है।

उन्होंने कहा स्वामीनाथन जी द्वारा कृषि के क्षेत्र में उच्च उत्पादन वाले गेहूं और चावल की प्रजाति विकसित करने के लिए किया गया सफल प्रयास सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरित क्रांति के अगुआ एम.एस. स्वामीनाथन जी को देश का सर्वश्रेष्ठ सम्मान देने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनंदन व आभार व्यक्त किया।

अमृतकाल की रणनीति : केंद्रीय अर्थ संकल्प 2024

2024 के बजट में, वित्त मंत्री ने आयकर दरों में कोई बदलाव नहीं किया, और 7 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों के लिए धारा 87। के तहत छूट बरकरार रखी। वित्त वर्ष 2009–10 के लिए 25,000 रुपये तक और वित्त वर्ष 2010–11 से 2014–15 के लिए 10,000 रुपये तक की कर मांगें वापस ली गई हैं, जिससे लगभग एक करोड़ करदाताओं को लाभ होगा।

वित्त :

2024 का केंद्रीय बजट आर्थिक विकास पर केंद्रित है, जिसमें 11.1% की वृद्धि के साथ पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये है। वित्तीय घाटे का लक्ष्य वित्त वर्ष 25 के लिए 5.1% है, जिसे वित्त वर्ष 26 तक 4.5% से नीचे लाने का उद्देश्य है। कोई कर परिवर्तन घोषित नहीं किया गया है, इलेक्ट्रिक वाहनों के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और समायोजित उधार तथा विनिवेश लक्ष्यों के माध्यम से वित्तीय स्वास्थ्य का प्रबंधन करने की कोशिश की गई है।

केंद्रीय बजट 2024 से वित्त संबंधी मुख्य बातें:

पूंजीगत व्यय परिव्ययः

वित्त वर्ष 25 के लिए 11.1% बढ़कर 11.11 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो GDP का 3.4% है, ताकि बुनियादी ढांचे को बढ़ावा दिया जा सके और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

राजकोषीय घाटे के लक्ष्यः

- वित्त वर्ष 25 के लिए GDP का 5.1% निर्धारित, वित्त वर्ष 26 तक इसे 4.5% से नीचे लाने का लक्ष्य है।
- वित्त वर्ष 24 के लिए वित्तीय घाटा GDP का 5.8% देखा गया।

बाज़ार उधारः

- वित्त वर्ष 24 के लिए सकल बाजार उधार 14.1 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।

वित्त वर्ष 25 के लिए सकल बाजार उधार 14.13 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है, जिसमें शुद्ध उधार 11.75 लाख करोड़ रुपये है। यह इस वर्ष के बजट अनुमान 15.43 लाख करोड़ रुपये की तुलना में एक कमी को दर्शाता है।

वित्त वर्ष 25 के लिए सांकेतिक ळक्च वृद्धिः 10.5% मानी गई है।

विनिवेश लक्ष्यः

- FY25 विनिवेश लक्ष्य 50,000 करोड़ रुपये निर्धारित।
- FY24 के लिए इसे घटाकर 30,000 करोड़ रुपये कर दिया गया।

सब्सिडीः

- वित्त वर्ष 2015 के लिए प्रमुख सब्सिडी सकल घरेलू उत्पाद का 1.2% जबकि वित्त वर्ष 24 में 1.4% देखी गई।
- FY24 के लिए खाद्य सब्सिडी को 1.97 लाख करोड़ रुपये से संशोधित कर 2.12 लाख करोड़ रुपये किया गया।
- FY25 गैर–ऋण पूंजी प्राप्तियां 79,000 करोड़ रुपये देखी गईं।

आयकरः

- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कराधान में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं।
- 7 लाख रुपये तक की कर योग्य आय वाले व्यक्तियों के लिए धारा 87ए में छूट जारी है, जिससे कर देनदारी शून्य हो गई है।
- वित्त वर्ष 2009–10 तक की अवधि के लिए 25,000 रुपये तक और वित्तीय वर्ष 2010–11 से 2014–15 के लिए 10,000 रुपये तक की बकाया कर मांगों की निकासी से लगभग एक करोड़ करदाताओं को लाभ होगा।
- इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पारिस्थितिकी तंत्रः विनिर्माण और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के समर्थन के साथ ईवी पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और मजबूती।

रेलवे

2024 के रेलवे बजट में लगभग 40,000 रेल डिब्बों को वंदे भारत मानकों तक उन्नत करने और गति व आराम में सुधार का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, नेटवर्क और संपर्क को बढ़ाने के लिए तीन नए रेलवे कॉरिडोर पेश किए गए हैं, जो भारत के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने और सुधारने में महत्वपूर्ण निवेश को दर्शाता है।

वंदे भारत अपग्रेडःसरकार की योजना लगभग 40,000 रेल

डिब्बों को वंदे भारत मानक तक उन्नत करने की है, जिससे रेलवे बेड़े को आधुनिक बनाने, गति और आराम में सुधार लाने और दक्षता बढ़ाने की प्रतिबद्धता दिखाई जा रही है।

नए रेलवे कॉरिडोरः बजट का हिस्सा देश के विभिन्न क्षेत्रों में रेलवे नेटवर्क का विस्तार करने और संपर्क में सुधार लाने के उद्देश्य से तीन नए रेलवे कॉरिडोर की स्थापना है।

हेल्थकेयर

स्वास्थ्य सेक्टर में, बजट 2024 का मुख्य ध्यान आयुष्मान भारत को बढ़ाने पर है, जिसमें सभी ASHA और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही मातृ और शिशु देखभाल योजनाओं को एक साथ मिलाकर सेवाओं की महिलाओं और बच्चों के लिए पहुँच और कुशलता में सुधार करने का लक्ष्य रखा गया है।

आयुष्मान भारत का विस्तारः सरकार ने आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करने की घोषणा की है ताकि सभी ASHA (प्रमाणित सामाजिक स्वास्थ्य सक्रियता) और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को शामिल किया जा सके। इस कदम का उद्देश्य इन प्रमुख स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों को व्यापक स्वास्थ्य बीमा लाभ प्रदान करना है, जो भारत के स्वास्थ्य प्रणाली में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता है।

मातृ और शिशु देखभाल योजनाओं का एकीकरणः सुविधाजनक और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान की ओर एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, सभी मातृ और शिशु देखभाल योजनाएं एक ही छाती के नीचे लाई जाएंगी। इस एकीकरण की उम्मीद है कि यह महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुँच सुनिश्चित करेगा, परिणामों और कुशलता में सुधार करेगा।

विमानन –

मौजूदा हवाई अड्डों का विस्तारः बजट में उपस्थित हवाई अड्डों के विस्तार का जारी रखने का उल्लेख है, जो सरकार के विमान यातायात की मांग को ध्यान में रखकर और संपर्क में सुधार करने के लिए उड़ान यातायात के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुधारने के लिए की गई कदमों का हिस्सा है।

हरित ऊर्जा –

छत्त पर सोलर योजनाः एक महत्वपूर्ण बातचीत का हिस्सा है, छत्त पर सोलर योजना की प्रस्तावना, जिसका उद्देश्य एक करोड़ लोगों को मुफ्त बिजली प्राप्त करने में मदद करना है। इस पहल के माध्यम से सरकार ने हरित ऊर्जा समाधानों को प्रोत्साहित करने और कार्बन पैदा करने को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

बुनाई विकास –

बजट में पूंजीगत व्यय में 11.1% की वृद्धि की प्रस्तावित की गई है, जिसमें 11.11 लाख करोड़ रुपये है (GDP का 3.4%), जो महत्वपूर्ण बुनाई गई बुनाई का संकेत है। योजनाएं शामिल हैं – 2 करोड़ घरों का निर्माण करना, मेट्रो रेल और नमो भारत को और अधिक शहरों में फैलाना, और 40,000 रेल बोगियों को वंदे भारत मानकों तक उन्नत करना, जिससे आवास और परिवहन बुनाई और बुनाई का विकास हो।

कैपेक्स परिव्यय में वृद्धिः वित्त वर्ष 25 के पूंजीगत व्यय बजट को 11.1 प्रतिशत बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये (GDP का 3.4 प्रतिशत) किया गया है, जिससे कई क्षेत्रों में बुनाई के विकास में बड़ा निवेश का संकेत है।

2 करोड़ घरः सरकार का प्लान है कि अगले पांच वर्षों में 2 करोड़ घर बनाए जाएंगे, जिससे आवास बुनाई में सुधार करने की ओर एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहित कदम का संकेत है।

मेट्रो रेल और नमो भारत का विस्तारः मेट्रो रेल और नमो भारत को और अधिक शहरों में फैलाने की योजनाएं हैं, जिससे शहरी बुनाई और कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

वंदे भारत रेल अपग्रेडः लगभग 40,000 रेल बोगियों को वंदे भारत मानक में उन्नत किया जाएगा, जिससे रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिकीकरण के लिए महत्वपूर्ण निवेश का संकेत है।

इलेक्ट्रिक वाहन

EV पारिस्थितिक बजटः सरकार विनिर्माण और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का समर्थन करके इलेक्ट्रिक वाहन (EV) पारिस्थितिक को बढ़ाने और मजबूत करने का काम करेगी। इस पहल का उद्देश्य देश की हरित विकास रणनीति का हिस्सा के रूप में EV के अपनाने को बढ़ावा देना है।

अमृत काल की रणनीति

आमृत काल सामान्यतः आमतौर पर भारत की स्वतंत्रता के सैकड़ों वर्षों के सौवे वर्षगांव तक के विकास के लिए सरकार की दृष्टिकोण को सूचित करता है, जिसमें समग्र विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, ऊर्जा स्थिरता और प्रौद्योगिकी नवाचार पर ध्यान केंद्रित है। बजट लंबे समय के उद्देश्यों की ओर संकेत करता है जैसे कि वित्तीय संघटन, इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार और हरित ऊर्जा को प्रशंसा करना, जो आमृत काल के व्यापक लक्ष्यों के साथ मेल खाते हैं।

इन प्रत्येक बिंदु का संघटन यूनियन बजट 2024 के घटकों को दरियाकिनारे करने के उद्देश्यों के लिए है जिनका उद्घाटन आर्थिक विकास, सतत विकास और नागरिकों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए है, भारत के भविष्य के विशाल दृष्टिकोण के साथ।

देव से देश, राम से राष्ट्र

अमृतकाल में एक नयी उमंग है, नयी तरंग है। इस साल हमारे संविधान के भी 75 वर्ष हो रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट के भी 75 वर्ष हो रहे हैं। हमारे लोकतंत्र के ये पर्व, mother of democracy के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं। भारत का संविधान इतने गहन मंथन के बाद बना है कि उसे जीवंत दस्तावेज कहा जाता है। इसी संविधान की मूल प्रति के तीसरे अध्याय में भारत के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों का वर्णन किया गया है और ये बहुत दिलचस्प है कि तीसरे अध्याय के प्रारंभ में हमारे संविधान निर्माताओं ने भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चित्रों को स्थान दिया था। प्रभु राम का शासन, हमारे संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत था और इसलिए 22 जनवरी को अयोध्या में मैंने 'देव से देश' की बात की थी, 'राम से राष्ट्र' की बात की थी।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है। सबकी भावना एक, सबकी भक्ति एक, सबकी बातों में राम, सबके हृदय में राम। देश के अनेकों लोगों ने इस दौरान राम भजन गाकर उन्हें श्रीराम के चरणों में समर्पित किया। 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने रामज्योति जलाई, दिवाली मनाई। इस दौरान देश ने सामूहिकता की शक्ति देखी, जो विकसित भारत के हमारे संकल्पों का भी बहुत बड़ा आधार है। मैंने देश के लोगों से आग्रह किया था कि मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक स्वच्छता का अभियान चलायाजाए। मुझे अच्छा लगा कि लाखों लोगों ने श्रद्धाभाव से जुड़कर अपने क्षेत्र के धार्मिक स्थलों की साफ़–सफाई की। मुझे कितने ही लोगों ने इससे जुड़ीतस्वीरें भेजी हैं, अपकमव भेजें हैं – ये भावना रुकनी नहीं चाहिए, ये अभियान रुकना नहीं चाहिए। सामूहिकता की यही शक्ति, हमारे देश को सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचाएगी।

इस बार 26 जनवरी की परेड बहुत ही अद्भुत रही, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा परेड में Women Power को देखकर हुई, जब कर्त्तव्य पथ पर, केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की महिला टुकड़ियों ने कदमताल शुरू किया तो सभी गर्व से भर उठे। महिला बैंड का मार्च देखकर, उनका जबरदस्त तालमेल देखकर, देश–विदेश में लोग झूम उठे। इस बार परेड में मार्च करने वाले 20 दस्तों में से 11 दस्ते महिलाओं के ही थे। हमने देखा कि जो झाँकीनिकली, उसमें भी सभी महिला कलाकार ही थीं। जो सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, उसमें भी करीब डेढ़ हज़ार बेटियों ने हिस्सा लिया था। कई महिला कलाकार शंख, नादस्वरम और नागदा जैसे भारतीय संगीत वाद्ययंत्र बजा रही थीं। DRDO ने जो झांकी निकाली, उसने भी सभी का ध्यान खींचा। उसमें दिखाया

गया कि कैसे नारीशक्ति जल–थल–नभ, Cyber और Space, हर क्षेत्र में देश की सुरक्षा कर रही है। 21वीं सदी का भारत, ऐसे ही Women Led Development के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है।

मेरे प्यारे देशवासियो, इसी 25 जनवरी को हम सभी ने National Voters Day मनाया है। ये हमारी गौरवशाली लोकतांत्रिक परम्पराओं के लिए एक अहम दिन है। आज देश में करीब–करीब 96 करोड़ मतदाता हैं। आप जानते हैं, ये आंकड़ा कितना बड़ा है? ये अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी करीब तीन गुना है। ये पूरे यूरोप की कुल जनसंख्या से भी करीब डेढ़ गुना है। अगर मतदान केन्द्रों की बात करें, तो देश में आज उनकी संख्या करीब साढ़े दस लाख है। भारत का हर नागरिक, अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल कर पाए, इसके लिए हमारा चुनाव आयोग, ऐसे स्थानों पर भी पोलिंग बूथ बनवाता है जहाँ सिर्फ एक वोटर हो। मैं चुनाव आयोग की सराहना करना चाहूँगा, जिसने देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं।

साथियो, आज देश के लिए उत्साह की बात ये भी है कि दुनिया के अनेक देशों में जहाँ voting percent कम हो रहा है, भारत में मतदान का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है। 1951–52 में जब देश में पहली बार चुनाव हुए थे, तो लगभाग 45 प्रतिशत वोटर्स ने ही वोट डाले थे। आज ये आंकड़ा काफी बढ़ चुका है। देश में ना सिर्फ वोटरों की संख्या में वृद्धि हुई है, बल्कि Turnout भी बढ़ा है। हमारे युवा वोटरों को registration के लिए ज्यादा मौके मिल सकें, इसके लिए सरकार ने कानून में भी परिवर्तन किया है। मुझे ये देखकर भी अच्छा लगता है कि वोटर्स के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सामुदायिक स्तर पर भी कई प्रयास हो रहे हैं। कहीं लोग घर–घर जाकर वोटर्स को मतदान के बारे में बता रहे हैं, कहीं पेंटिंग बनाकर, कहीं नुक्कड़ नाटकों के जरिए युवाओं को आकर्षित किया जा रहा है। ऐसे हर प्रयास, हमारे लोकतंत्र के उत्सव में, अलग–अलग रंग भर रहे हैं। मैं 'मन की बात' के माध्यम से अपने First Time Voters को कहूँगा कि वो वोटर लिस्ट में अपना नाम जरुर जुड़वाएं। National voter service portal और voter Helpline app के जरिए वो इसे आसानी से online पूरा कर सकते हैं। आप ये हमेशा याद रखें कि आपका एक वोट, देश का भाग्य बदल सकता है, देश का भाग्य बना सकता है।

मेरे प्यारे देशवासियो, आज 28 जनवरी को भारत की दो ऐसी महान विभूतियों की जन्म–जयंती भी होती हैं, जिन्होंने अलग–अलग कालखंड में देशभक्ति की मिसाल कायम की है। आज देश, पंजाब केसरी लाला लाजपत राय जी को श्रद्धांजलि दे रहा है। लाला जी, स्वतंत्रता संग्राम के एक ऐसे सेनानी रहे, जिन्होंने विदेशी शासन से मुक्ति दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। लाला जी के व्यक्तित्व को सिर्फ आजादी की लड़ाई तक सीमित नहीं किया जा सकता। वो बहुत दूरदर्शी थे। उन्होंने Punjab National Bank और कई अन्य संस्थाओं के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। उनका उद्देश्य सिर्फ विदेशियों को देश से बाहर निकालना ही नहीं, बल्कि देश को आर्थिक मजबूती देने का Vision भी उनके चिंतन का अहम् हिस्सा था। उनके विचारों और उनके बलिदान ने भगत सिंह को बहुत प्रभावित किया था। आज फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा जी को भी श्रद्धापूर्वक नमन करने का दिन है। उन्होंने इतिहास के महत्वपूर्ण दौर में हमारी सेना का नेतृत्व कर साहस और शौर्य की मिसाल कायम की थी। हमारी सेना को शक्तिशाली बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

भारत की रिद्धि, सिद्धि, समृद्धि

हृदयनारायण दीक्षित

राहुल गाँधी इस समय भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हैं। इसके पहले इस कार्यक्रम का नाम उन्होंने भारत जोड़ो रखा था। लेकिन उनकी पार्टी के ही बंगलुरु से सांसद और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिव कुमार के भाई डी० के० सुरेश ने भारत तोड़ने की बात की है। उनका वक्तव्य आहतकारी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि दक्षिण भारतीय राज्यों का धन उत्तर भारतीय राज्यों को दिया जा रहा है। वे ताजा केन्द्रीय बजट पर टिप्पणी कर रहे थे। बजट प्रावधानों की निन्दा, समर्थन और आलोचना सभी दलों का अधिकार है। उनका यह बयान संसद में भी चर्चा का विषय है। उन्होंने धमकी दी है कि यह प्रवृत्ति जारी रही तो अलग देश की मांग उठाई जाएगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गाँधी को इस बयान पर कांग्रेस का दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहिए। वक्तव्य सीधे भारतीय राष्ट्र राज्य पर हमला है। सभी दलों को अपनी विचारधारा और अपनी रणनीति के अनुसार विषय रखने का अधिकार है। लेकिन देश तोड़ने की बात और अलग देश की मांग करने की धमकी का समर्थन कोई भी सामाजिक, राजनैतिक कार्यकर्ता या देश का नागरिक नहीं कर सकता।

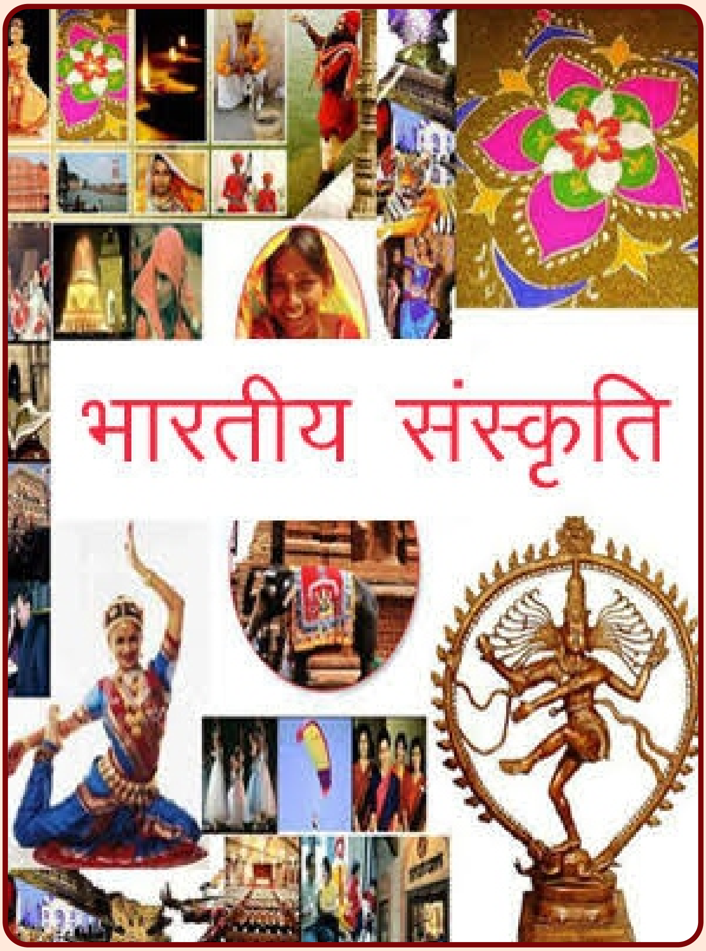

भारत सम्प्रभु राष्ट्र राज्य है। राष्ट्र की सम्प्रभुता असीम है, अविभाजित है और अखण्ड है। भारत किसी जन पंचायत या किसी समझौते का परिणाम नहीं है। यह स्वयंभू है और सांस्कृतिक दृष्टि से दुनिया का प्राचीनतम राष्ट्र है। भारतीय संस्कृति सनातन प्रवाह है। भारत इसी संस्कृति से निर्मित राष्ट्र है। भारत के सभी राज्य संविधान की कृपा प्रसाद से अस्तित्व में है। सब भारतवासी भारत के प्रति निष्ठावान हैं। संविधान में केन्द्र और राज्यों के अधिकार सुस्पष्ट हैं। भारतीय राज्य खूबसूरत संवैधानिक रचना हैं। संविधान की यह व्यवस्था भारतीय जन गण मन ने मुक्त मन से गढ़ी है। सभी संवैधानिक संस्थाओं के अधिकार और कर्तव्य सुपरिभाषित हैं। भारतीय राष्ट्र की मूल इकाई 'हम भारत के लोग' है। भारत जन गण मन के आनंद से प्रतिबद्ध एक अनुराग है। विश्व कल्याण से प्रतिबद्ध एक निष्ठावान प्रीति है। देश के सभी लोगों की सुख, स्वस्ति और समग्र वैभव भारत का ध्येय है। इस ध्येय में विश्व शान्ति और विश्व कल्याण के आधारभूत तथ्य भी संविधान का भाग हैं। इसलिए भारत भारत के लोगों के लिए एक अखण्ड श्रद्धा है।

भारत की रिद्धि, सिद्धि, समृद्धि और उपलब्धि समग्र भारत के लोगों के कर्मतप का परिणाम है। भारत की विश्व प्रतिष्ठा देश के सभी राज्यों और राज्यों के निवासियों के साझे कर्मफल का परिणाम है। उत्तर दक्षिण या पूरब पश्चिम के आधार पर विचार करना व्यर्थ हैं। सुब्रमण्यम भारती विश्व प्रसिद्ध तमिल कवि थे। उन्होंने सम्पूर्ण भारत के गीत गाए हैं। हिन्दी अनुवाद संकलन की पहली कविता का नाम 'वन्दे मातरम' है। भारती कहते हैं, ''पराधीन जीवन पर लज्जित सारा भारत एक साथ है/हम सब यह संकल्प करेंगे/कभी नहीं परतंत्र रहेंगे/हम वन्दे मातरम् कहेंगे।'' भारती दक्षिण के थे। पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भारती के हृदय में वन्दे मातरम् है। भारती की कविताओं में सप्तसिन्धु भी है और भूगोल की दृष्टि से यह

उत्तर पश्चिम में है।

भारती को दक्षिण भारतीय कहा जा सकता है। यह सही भी है। लेकिन भारती के हृदय और बुद्धि में अखिल भारतीय अनुराग है। उनके मन में उत्तर की गंगा बहती हैं और दक्षिण की कावेरी भी। ज्ञान को उत्तर दक्षिण में नहीं विभाजित किया जा सकता। वे दक्षिण के कांचीपुरम में बैठकर काशी के विद्वानों का संवाद सुनना चाहते हैं, ''ऐसे यंत्र बनाएँगे/कांचीपुरम में बैठकर/काशी के विद्वतजन का संवाद सुनेंगे। भारती लिखते हैं, ''मुख में वेदों का वास/हाथ में तीक्ष्ण असि शोभित मंगलकारी।'' विश्व प्रसिद्ध दर्शन शास्त्री अद्वैत दर्शन के प्रचारक आचार्य शंकर भी भौगोलिक दृष्टि से केरल के थे। कह सकते हैं दक्षिण के। लेकिन वे भारतीय दर्शन के शीर्ष व्याख्याता हैं। उन्होंने चार धामों की स्थापना की। केवल दक्षिण में नहीं। उत्तर में बद्रीनाथ। दक्षिण में रामेश्वरम। पश्चिम में द्वारिका और पूरब में जगन्नाथ। विशिष्टाद्वैत के प्रवर्तक रामानुजाचार्य भी दक्षिण के थे। रामकथा विश्व की अमूल्य निधि है। इसकी प्रारम्भिक घटनाएं उत्तर भारत की हैं। तमिल कवि कम्ब नमस्कारों के योग्य हैं। उन्होंने तमिल में रामकथा लिखी। तमिल में लिखी गई उनकी रामायण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय रहती है। देश के किसी भी तत्ववेत्ता और सृजक ने उत्तर दक्षिण की बात नहीं की है। डॉ० राधाकृष्णन दक्षिण के थे। दर्शन के पाठ के लिए सभी विद्वान राधाकृष्णन पर निर्भर हैं।

देश तोड़ने की धमकी प्रत्येक दृष्टि से अपराध है। इसे विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार नहीं माना जा सकता। संविधान अनुच्छेद (19) में विचार अभिव्यक्ति की आजादी पर अनेक मर्यादाएं अधिरोपित की गई हैं। कांग्रेस स्वयं में देश के स्वाधीनता संग्राम और भारतीय स्वतंत्रता का श्रेय लेती है। स्वाधीनता संग्राम का प्रमुख जीवन मूल्य राष्ट्रीय एकता था। एकता की धारक और प्रचारक कांग्रेस के जिम्मेदार लोग अलग राष्ट्र की मांग उठाने की धमकी दे रहे हैं। इसी तरह की धमकी इसके पहले तमिलनाडु में सत्तासीन पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम ने भी दी थी। तब डी०एम०के० के सांसद ए० राजा ने कहा था कि केन्द्र सरकार तमिलनाडु को और अधिकार दे वरना अलग देश के लिए लड़ाई होगी। ऐसी अलगाववादी मांगें असंवैधानिक तो हैं ही राष्ट्रद्रोह की सीमा में भी आती हैं। आश्चर्य है कि सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ सदस्य नेता की खतरनाक टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

राजनैतिक अभियान की भाषा मर्यादित ही होनी चाहिए। वक्तव्यों और भाषणों से लाभ उठाना अलग बात है लेकिन राष्ट्रीय एकता अखण्डता और सम्प्रभुता के प्रश्नों पर कठोर अनुशासन की आवश्यकता है। राजनैतिक अभियानों की आदर्श भाषा से लोकतंत्र की प्रतिष्ठा बढ़ती है। अलग देश की मांग की धमकी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। दक्षिण भारत के सैकड़ों विद्वानों ने राष्ट्रीय एकता के गीत गाए हैं। डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम ने करोड़ों नौजवानों को प्रेरित किया था। मूलभूत प्रश्न है कि क्या डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम को भी उत्तर दक्षिण की सीमा में विवेचन का विषय बनाया जाए?क्या प्रख्यात शिक्षाविद राजगोपालाचारी को भी दक्षिण तक सीमित कर दिया जाए? क्या शंकराचार्य और रामानुज को भी दक्षिण की सीमा में ही गिना जाए? यह आश्चर्यजनक है कि स्वाधीनता के 76 वर्ष बाद भी हमारे राजनेता धौंस धमकी की भाषा बोलते हैं और राष्ट्रीय एकता सम्प्रभुता को ठेंगे पर रखते हैं।

राष्ट्रीय एकता और सम्प्रभुता को लेकर एक दृष्टि कांग्रेस और डी०एम०के० की है और एक दृष्टि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। कांग्रेसी दृष्टि में अलग देश की धमकी का अपराध भी राजनीतिक कार्यवाही है। वही मोदी की उपस्थिति में काशी में लगभग देढ़ हजार तमिल भाषी विशिष्टजनों के समागम का आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय एकता की बात कही थी। काशी प्राचीन ज्ञान परम्परा का महत्वपूर्ण शक्ति केन्द्र है। कांग्रेस को ध्यान रखना चाहिए कि देश की राष्ट्रीय एकता का मूल तत्व सांस्कृतिक एकता है। समूचे देश के लोग इस धमकी से गुस्से में हैं। कांग्रेस को इस बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

रामराज से प्रेरित सुशासन

डॉ0 दिलीप अग्निहोत्री

भारत में संघीय शासन व्यवस्था है। प्रदेशों के सहयोग के बिना भारत को आर्थिक महाशक्ति नहीं बनाया जा सकता। इसलिए योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को देश की आर्थिक विकास यात्रा का सबसे बड़ा सहयोगी बनाने का संकल्प लिया था. उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाया जाएगा। योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकसित बनने की दिशा में अग्रसर है. विधानसभा में प्रस्तुत बजट यूपी की इस विकास यात्रा को गति देने वाला है. इसमें भी नरेंद्र मोदी की चार जातियों के उत्थान मंसूबा है. गरीब किसान युवा महिला सभी को स्वावलंबी बनाने की योजना है. योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार की प्रेरणा से विकास के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। स्वच्छता, शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री निर्धन आवास निर्माण आदि के मामले में उत्तर प्रदेश नम्बर वन पर पहुंच गया है। अगले चरण में योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह ऐलान भी उन्होंने केंद्र सरकार के रोडमैप को ध्यान में रखकर किया है।देश को अगले पांच वर्षों में पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने इसी के तहत उत्तर प्रदेश के लिए लक्ष्य निर्धारित किया.

योगी ने कहा भी था कि देश का प्रत्येक पांचवां व्यक्ति उत्तर प्रदेश का है। ऐसे में उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक ले जाना हमारा कर्तव्य है।

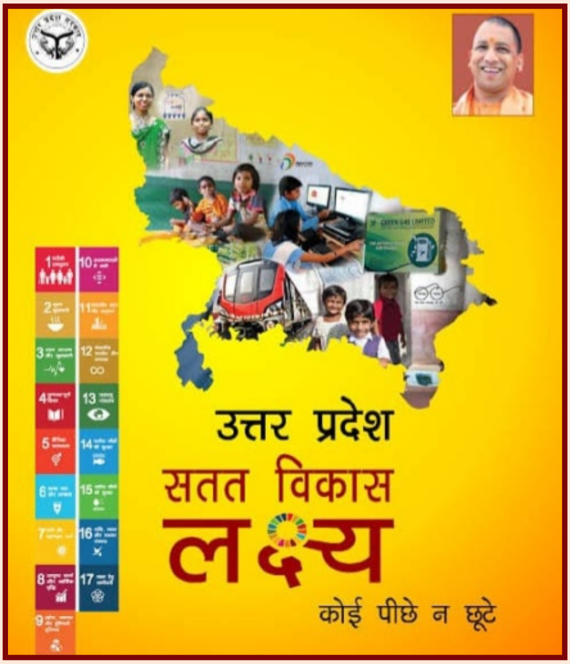

यह लक्ष्य उत्तर प्रदेश में मौजूद संसाधनों के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है। इस विशाल प्रदेश में जितनी कृषि भूमि और जल संसाधन है, उसके सुनियोजित उपयोग से ही प्रदेश की स्थिति बदल सकती है। उत्तर प्रदेश की जमीन उर्वरा है। मृदा परीक्षण और वैज्ञानिक कृषि के द्वारा यह प्रदेश पूरी दुनिया का पेट भर सकता है।

बजट में सरकार ने सभी के सहयोग का मार्ग प्रशस्त किया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने श्रीरामचरितमानस की चौपाई पढ़ने के साथ विधानसभा में वर्ष 2024–25 का 07 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपये का बजट पेश किया। बजट में 24 हजार 863 करोड़ 57 लाख रुपये (24,863.57 करोड़ रूपये) की नई योजनाएं सम्मिलित की गई है।

सरकार में रिकार्ड गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। निराश्रित महिला पेंशन में वृद्धि की गई है। युवक मंगल दल का गठन किया है। यह बजट युवाओं के लिए है। समाज के सभी वर्गों के लिए योजनाएं हैं। कृषि क्षेत्र में भी बड़े बदलाव की आवश्यकता है। कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने में प्रदेश की बड़ी भूमिका है। राज्य की अर्थव्यवस्था की वृद्धि की वर्तमान दर के हिसाब से यह अगले कुछ वर्षों में एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश में विकास की अप्रतिम सम्भावनाएं हैं। इन सम्भावनाओं को साकार करने में विभागीय और नोडल अधिकारियों को अपनी भूमिका निभाने का मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया। इसके अलावा प्रत्येक विभाग को इस कार्य में योगदान सुनिश्चित करना होगा।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में रियल इस्टेट, परिवहन, वित्तीय सेवाओं, कृषि, खनन, पर्यटन आदि क्षेत्रों की भागीदारी तय की जाएगी। विभागों द्वारा प्रदेश के आम जन के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन तथा राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास होगा. वर्तमान राज्य सरकार में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर होने से राज्य में निवेश की सम्भावना बढ़ी है। प्रदेश में निवेश के लिए हर विभाग अपने स्तर से भूमिका निभा सकता है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को ठोस कार्य योजना के माध्यम से पहल करनी चाहिए। हर जनपद का अपना एक विशिष्ट उत्पाद है।

कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को अच्छे बीज और तकनीक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। राज्य में सृजित हो रही बुनियादी ढांचागत सुविधाओं जैसे पूर्वान्चल

एक्सप्रेस–वे, गंगा एक्सप्रेस–वे, जेवर अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, उड़ान योजना के तहत हवाई अड्डों का विकास, फ्रंट कॉरिडोर आदि से विकास को गति मिलेगी। जनपद के विशिष्ट उत्पादों सहित कृषि उत्पादों की मार्केटिंग, एक्सपोर्ट आदि में इन सुविधाओं का उपयोग किया जा रहा है। विगत सात वर्षो में उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन और पर्यटन का अभूतपूर्व विकास हुआ है। सात वर्ष पहले तक अयोध्या वीरान लगता था। आज अयोध्या को भव्य रूप में प्रतिष्ठित है। यह चार और छह लेन की सड़के है। एक दर्जन से अधिक फ्लाइट संचालित हो रही हैं। कुछ दिनों में तीस लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अयोध्या में प्रभु श्री राम का दर्शन कर लिया है। पहले दिन ही इतने श्रद्धालु आए कि अयोध्या के व्यापारियों का सारा सामान बिक गया। इसके लिए अलग से व्यवस्था बनानी पड़ी अनुमान किया जा सकता है कि अयोध्या किस ओर जा रही है।

प्रदेश में सबसे अच्छी एयर कनेक्टिविटी है। चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट सहित नौ एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं। अगले कुछ महीनों में दस अन्य एयरपोर्ट शुरू किए जाएंगे। जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है. ट्रायल रन फरवरी महीने में ही किए जाने की संभावना है। सात वर्ष पूर्व एनसीआर में दिल्ली और गुरुग्राम का इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा माना जाता था। आज दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा गाजियाबाद का इंफ्रास्ट्रक्चर सबसे अच्छा दिखाई देता है। विगत सात वर्षो में कोई दंगा नहीं हुआ है। आज प्रदेश निवेश का महत्वपूर्ण गंतव्य बना है। दस लाख करोड़ रुपए निवेश की ग्राउंड ब्रेकिंग इसी माह कराने की तैयारी है। प्रदेश का ईज आफ डूइंग बिजनेस चौदहवें स्थान से प्रथम स्थान प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। आज प्रदेश देश की छठी अर्थव्यवस्था से दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। अगले पांच वर्षो में राज्य को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा है. सात वर्ष पहले प्रदेश की बेरोजगारी दर उन्नीस प्रतिशत से अधिक थी, आज यह घटकर दर दो प्रतिशत रह गई है। प्रदेश में निवेशकों के लिए देश का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म निवेश मित्र पोर्टल कार्य कर रहा है। एमओयू की मॉनिटरिंग के लिए भी एक पोर्टल तैयार किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा पॉलिसी के दायरे में रहकर निवेशकों को इन्सेंटिव वितरण के लिए एक पोर्टल की व्यवस्था की गई है। इन सभी कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए भी एक अलग से सिस्टम तैयार किया गया है। भारत की अर्थव्यवस्था को अगले तीन वर्षों में पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने में उत्तर प्रदेश का उल्लेखनीय योगदान है। राज्य में बेहतर सड़क, रेलवे, एयर तथा इनलैंड वॉटरवे कनेक्टिविटी है। पहले उत्तर प्रदेश के बारे में कहा जाता था कि यह एक लैण्डलॉक राज्य है, क्योंकि इसकी सीमा किसी समुद्र से नहीं सटी है। इनलैंड वॉटरवे द्वारा वाराणसी को हल्दिया से जोड़ा गया। सरयू नदी के माध्यम से अयोध्या को इस रूट के साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश में इनलैंड वॉटरवे अथॉरिटी गठित कर ली गई है। यह कार्रवाई तेजी के साथ आगे बढ़ रही है।

वित्त मंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश का शासन कहीं न कहीं रामराज्य की अवधारणा से अनुप्रेरित है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का जीवन हजारों वर्षो से भारत और विश्व को महत्तर जीवन आदर्शों की ओर अग्रसर होने को प्रेरित करता रहा है। पिता के वचन का मान रखने के लिये समस्त राजसी वैभव को निःसंकोच त्याग कर वनवास के लिये प्रस्थान करना और दुष्टों और अधर्मियों का दृढ़तापूर्वक दलन करना ऐसे राजधर्म का अनुपम उदाहरण कहीं और नहीं मिलता। प्रदेश सामाजिक सांस्कृतिक, आर्थिक एवं आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के भव्य मन्दिर का अयोध्या में निर्माण होने से हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र को बहुत प्रोत्साहन मिला है।

सरकार अब तक लगभग छह करोड़ व्यक्तियों को गरीबी से बाहर निकालने में सफल रही है। लखनऊ में दिल्ली की तर्ज पर एयरो सिटी विकसित किये जाने की योजना है. प्रदेश सरकार द्वारा हीरो फ्यूचर एनर्जीज के साथ चार हजार करोड़ रूपये के निवेश का एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है जिसके अन्तर्गत संस्था द्वारा प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं क्लीन टेक्नोलॉजी परियोजना में निवेश किया जायेगा. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए व्यवस्था की गई।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना में हेल्थ वेलनेस सेन्टर केयर यूनिट, इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की स्थापना का प्रस्ताव है।

राम मंदिर आंदोलन के आधार स्तम्भ- भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी

'जहाँ राम का जन्म हुआ था, मंदिर वहीं बनायेंगे'- संकल्प की सिद्धि के अजेय योद्धा

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक नेता, श्री राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन के महानायक तथा अपनी रथ यात्राओं के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी को देश के सबसे बड़े राजनैतिक दल के रूप में प्रतिस्थापित में अहम भूमिका निभाने वाले महारथी श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न का सम्मान करोड़ों रामभक्तों का भी सम्मान है।

आज संपूर्ण भारत ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में सनातन संस्कृति की जो लहर चल रही है उसके आधार स्तम्भ भी कहीं न कहीं आडवाणी जी ही हैं। भारतरत्न लालकृष्ण आडवाणी का राजनैतिक जीवन अत्यंत शुचितापूर्ण रहा है जिसे एक बार सुषमा स्वराज ने सदन में **"राजनैतिक जीवन में शुचिता की पराकाष्ठा"** कहकर व्याख्यायित किया था। विरोधियों द्वारा अपने ऊपर छल पूर्वक हवाला रैकेट में सम्मिलित होने का आरोप लगाए जाने पर उन्होंने अपने पद से त्यागपत्र देते हुए घोषणा की, कि जब तक इन अरोपों से बरी नहीं हो जाता तब तक सक्रिय राजनीति में नहीं रहूँगा और अपनी इस घोषणा पर अमल भी किया ।

भारतरत्न आडवाणी जी का राजनैतिक जीवन 60 वर्ष से भी अधिक समय का है। 8 नवंबर 1927 को पाकिस्तान के करांची में जन्मे आडवाणी जी की आरंभिक शिक्षा लाहौर में हुई थी और बाद में भारत आकर उन्होंने स्नातक की शिक्षा पूर्ण की। वह 14 वर्ष की आयु में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड गये। देश विभाजन के बाद उनका परिवार भारत आ गया था। उन्होंने लगभग 17 वर्ष तक दिल्ली तथा मुम्बई के जनरल पोस्ट आफिस में कार्य भी किया।

आडवणी जी के राजनैतिक जीवन का आरम्भ कानून की पढ़ाई के दौरान बंबई विश्वविद्यालय से हुआ। 1951 में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की और आडवाणी जी राजस्थान इकाई का सचिव बनाया गया। 1970 से 1989 तक वह राज्यसभा सदस्य रहे। 1973 में उन्हें भारतीय जनसंघ का अध्यक्ष चुना गया और वह 1977 तक इस पद पर बने रहे। आपातकाल के बाद हुए लोकसभा चुनावों में तत्कालीन पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मोराजी देसाई की जनता पार्टी सरकार में वह सूचना प्रसारण मंत्री बनाये गये। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई प्रेस सुधार किये और प्रसार भारती विधेयक भी प्रस्तुत किया।

कुछ अनिश्चित राजनैतिक वातावरण के कारण मोराजी देसाई की सरकार का पतन हो गया और जनता पार्टी का भी विभाजन भी हो गया। जनता पार्टी के विभाजन के बाद पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी के साथ मिलकर आडवाणी जी ने भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की। ये आडवाणी जी के राजनैतिक कौशल के विस्तार लेने की यात्रा थी। मुस्लिम और जातिवादी तुष्टीकरण के अंधेयुग में आडवाणी ने पहली बार इससे ऊपर उठकर एक बड़ी रेखा बनाने का प्रयास किया और संतों द्वारा अयोध्या में रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिये चलाये जा रहे आंदोलन को राजनैतिक समर्थन देने का निर्णय किया। आडवाणी जी रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिये 25 सितंबर 1990 को रामरथ यात्रा पर निकल पड़े और इसी समय से भारतीय राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के उत्कर्ष की यात्रा भी आरम्भ हो गई ।

अयोध्या में प्रभु श्री राम की जन्मस्थली पर बने भव्य मंदिर के गर्भ गृह में प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर एक पत्रिका में प्रकाशित लेख में उन्होंने बताया कि उन्होंने किस प्रकार एक पत्रकार वर्ता में 25 सितंबर से एक 10,000 किमी लंबी रामरथ यात्रा करने के निर्णय की घोषणा की। यात्रा 25 सितंबर को सोमनाथ से आरंभ होकर 30 अक्तूबर को अयोध्या पहुंचने वाली थी। जहां आंदोलन से जुडे संतों के साथ

कारसेवा की जाने वाली थी। जयश्रीराम व "सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनायेंगे" जैसे नारे की गूँज रामरथ यात्रा में ही सुनायी दी। राम रथ यात्रा को संपूर्ण भारत में अपार जनसमर्थन प्राप्त हो रहा था। हर जगह राम नाम की गूंज सुनायी दे रही थी। हिंदू समाज लालकृष्ण आडवाणी सहित बीजेपी के अन्य नेताओं के भाषण सुनने के लिए हजारों नहीं लाखों की संख्या में आता था। जगह–जगह लोग तोरणद्वार बनाकर और पुष्पवर्षा करके रथ का स्वागत करते थे। आडवणी जी की रथयात्रा राम मंदिर आंदोलन के लिए ही नही अपितु भारतीय जनता पार्टी के लिए भी संजीवनी सिद्ध हुई। रामरथ यात्रा ने हिंदू समाज की सोई चेतना को झकझोर के जगा दिया।

रामरथ यात्रा की लोकप्रियता से घबराकार कर जातिवादी व मुस्लिम परस्त नेता लालू यादव ने उनको बिहार में गिरफ्तार करवा दिया जिसके बाद वह रथयात्रा समाप्त हो गई। यह रामरथ यात्रा का ही परिणाम था कि 1991 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 120 सीटें मिली ।

आडवाणी जी के नेतृत्व में ही भाजपा ने चार और जनादेश यात्राएं भारत के चार भागों से निकालीं। उन्होंने कालेधन व भ्रष्टाचार के खिलाफ भी रथयात्रा निकाली। आडवाणी जी ने अपनी रथयात्राओं के माध्यम से कई राज्यों गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भाजपा को बहुत सशक्त बना दिया। आडवाणी जी की यात्राएँ इतनी लोकप्रिय हो गई थीं कि उन्हें भाजपा का रथयात्री भी कहा जाने लगा था।

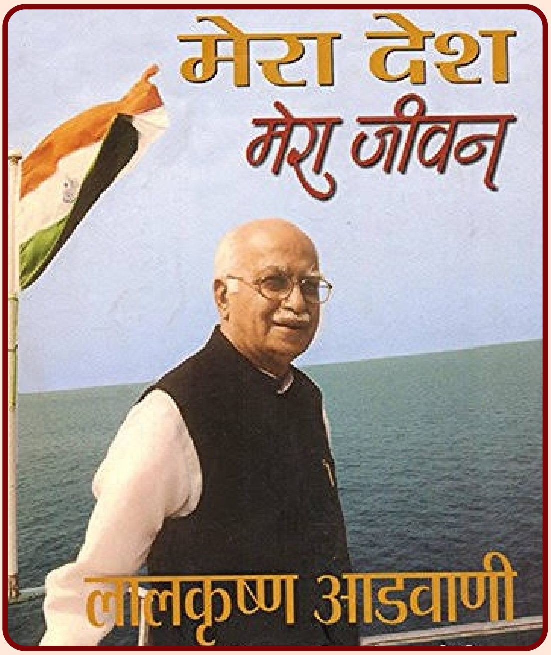

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आडवाणी जी को भारत रत्न देकर न केवल राष्ट्रनिर्माण में उनके के योगदान को सम्मान दिया है वरन उन लोगों भी एक कड़ा व सटीक जवाब दे दिया है जो नियमित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व लालकृष्ण आडवाणी के मध्य सम्बंधों को लेकर तरह–तरह की अफवाहें चलाया करते हैं। राम मंदिर पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आने के बाद भूमि पूजन समारोह से लेकर प्रभु श्रीराम की गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा से लेकर जितने भी समारोह हुए उन सभी में आडवाणी जी की उपस्थिति को लेकर विपक्ष लगातार तंज कसता रहा है। विपक्ष यह भी आरेप लगाता रहा है कि भाजपा ने अपने वयोवृद्ध नेता को दरकिनार कर दिया है और उनकी कोई सुध नहीं ले रहा है। टीवी चैनलों की बहसों में विपक्ष यह भी कह रहा था कि राम मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी को नहीं अपितु आडवाणी जी से करवाया जाना चाहिए था किंतु अब मोदी जी ने उन्हें भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देकर सभी विरोधियियों को सही समय पर सटीक जवाब दे दिया है। आडवाणी जी को यह भारतरत्न सम्मान उनके "जहाँ राम का जन्म हुआ था, मंदिर वहीं बनायेंगे" का संकल्प पूरा होने और उस मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत दिया गया है जिसके कारण यह और भी आह्लादकारी हो गया है।

आडवाणी जी की आत्मकथा "मेरा देश मेरा जीवन" उन संस्मरणों से युक्त है जो उनके जीवन का सार हैं। भारतरत्न मिलने की घोषणा के बाद आडवाणी ने कहा कि यह न सिर्फ एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए सम्मान की बात है बल्कि उन आदर्शों और सिद्धांतों के लिए भी सम्मान है जिनकी मैने अपनी पूरी क्षमता से जीवन भर सेवा करने का प्रयास किया। उन्होंने कहाकि जिस चीज ने मेरे जीवन को प्रेरित किया है –**'इदं नमम'** यह जीवन मेरा नहीं है, मेरा जीवन मेरे राष्ट्र के लिए है।"

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न का सम्मान दिए जाने से भारत का वह हर नागरिक प्रसन्न है जो उनके विचारों के साथ जुड़ा, श्री राम जन्मभूमि की आस्था के साथ जुड़ा। उधर जो लोग मोदी जी व आडवाणी जी के मध्य मतभेद की मनगढ़ंत बातों को प्रचारित–प्रसारित करते रहते थे वो अब अपनी ही बातों में फंस चुके हैं। वो विरोध के नाम पर वह यह भूल गए थे कि यह वही मोदी जी हैं जो आडवाणी जी के रथ के सारथी रहे। 22 जनवरी 2024 को एक शिष्य के रूप में नरेंद्र मोदी ने प्रभु श्रीराम को गर्भगृह में विराजमान कराकर उन्हें संकल्प पूर्ति की अनुपम भेंट दी थीं तब आडवाणी जी ने एक पत्र लिखकर कहा था कि "इस शुभकार्य के लिए नियति ने मोदी जी को ही चुना है।" अब दूसरी बड़ी भेंट आडवाणी जी को भारत रत्न के रूप मे मिली है।

आज जो भारत के घर घर पर रामजी का भगवा ध्वज फहराया जा रहा है और राम के आगमन पर जो दीपावली मनाई जा रही है तो उसका प्रथम श्रेय भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी को ही जाता है।

मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा का बढ़ता जनाधार

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री बृजेश पाठक के समक्ष बुधवार को पार्टी के राज्यमुख्यालय पर समाजवादी पार्टी, बसपा, आप और कांग्रेस छोड़कर नगर पालिकाओं व नगर पंचायत के अध्यक्षों, नगर निगम के पार्षदों, ब्लॉक प्रमुखों और जिला पंचायत सदस्यों ने बड़ी संख्या में अपने समर्थको के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन व माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का देश व प्रदेश में निरन्तर बढ़ते जनाधार और लोककल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर विभिन्न दलों से आए सैकड़ों नेताओं को भाजपा परिवार में सम्मिलित करते हुए सभी का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भाजपा की अद्वितीय एवं प्रेरणादायी नीतियों व लोककल्याणकारी योजनाओं व उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेंगे तथा आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाकर आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को पुनः प्रधानमंत्री बनाकर भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेंगे।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज आप सभी भाजपा का हिस्सा बने हैं आप सभी का भाजपा परिवार में स्वागत है। 100 फीसदी वोटो में 60 फीसदी वोट हमारा है, बाकी 40 फीसदी वोट में बटवारा है और बटवारे में भी हमारा है। हमें हर बूथ पर कमल खिलाना है और भाजपा जिताना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गरीब कल्याण के लिए समर्पित सरकार है, जो सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, महिलाओं के सशक्तिकरण तथा किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के साथ ही हमें हर बूथ पर विपक्षी दलों की जमानत जब्त करने का काम करना है।

प्रदेश के उपमुख्मंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी परिवार निरन्तर बढ़ रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा ही एक मात्र दल है जिसमे कोई भी कार्यकर्ता किसी भी पद पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 सीटों पर कमल जिताने का काम करना है। भारतीय जनता पार्टी में सभी का सम्मान सुनिश्चित है। मोदी जी व योगी जी के नेतृत्व की भाजपा सरकारों की नीतियां तथा गरीब कल्याण की योजनायें जन–जन तक पहुंचाकर निश्चित विजय सुनिश्चित करना है।

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में नगर पालिका बिलारी, मुरादाबाद के अध्यक्ष रघुराज यादव (सपा), नगर पालिका धनौरा, अमरोहा के अध्यक्ष श्री प्रवीण अग्रवाल (बसपा), नगर पालिका मसवासी, रामपुर के अध्यक्ष श्री दिनेश गोयल, नगर पालिका चन्दौसी, सम्भल की अध्यक्ष श्रीमती लता वाष्णेय, नगर पालिका टुंडला, फिरोजाबाद के अध्यक्ष श्री भवर सिंह, नगर पालिका मऊरानीपुर, झांसी के अध्यक्ष श्रीमती शशि श्रीवास, नगर पालिका लखीमपुर के अध्यक्ष श्रीमती ईरा श्रीवास्तव, नगर पालिका मिश्रिख,

सीतापुर की अध्यक्ष श्रीमती मुन्नी देवी, नगर पालिका बांगरमऊ, उन्नाव के अध्यक्ष राम जी, नगर पालिका नवाबगंज, गोण्डा के अध्यक्ष श्री सतेन्द्र कुमार सिंह, नगर पालिका नौतनवा, महराजगंज के अध्यक्ष श्री ब्रजेश मणि त्रिपाठी, नगर पालिका गौराबरहज के अध्यक्ष श्रीमती श्वेता जायसवाल (बसपा) ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पार्टी मुख्यालय पर सदस्यता लेने वाले नगर पंचायत के अध्यक्षों में सिसौली मुजफ्फरनगर की श्रीमती सुभाषिनी सिंह, शाहपुर मुजफ्फरनगर के मोहम्मद अकरम (आप), एलम शामली की श्रीमती रीना, ननौता सहारनपुर से श्रीमती रूमाना खान (बसपा), नरौरा बुलन्दशहर से श्रीमती प्रीति यादव (बसपा), बीबीनगर बुलन्दशहर श्रीमती गुडडी देवी, गुलावठी बुलन्दशहर श्रीमती नेहा यादव (सपा), ज्ञानपुर भदोही से श्री घनश्याम दास गुप्ता, लम्भुआ सुल्तानपुर से श्री अवनीश कुमार सिंह अंगद, भारतगंज प्रयागराज से श्रीमती फरा बेगम, कोरांव प्रयागराज श्री ओम प्रकाश केसरी, अनपरा सोनभद्र श्री विश्राम प्रसाद जैसवार, ज्योति खुड़िया मैनपुरी से श्रीमती प्रेमलता माथुर, फतेहगंज पुरवी बरेली से श्री संजय पाठक, खखरैरू फतेहपुर श्री ज्ञानचन्द्र केसरबानी, मानिकपुर चित्रकूट से श्रीमती रानी कोल, एरच झांसी से श्री जयचन्द्र राजपूत, शिवराजपुर कानपुर से श्री निर्मल कटियार, तिंदवारी बांदा से श्रीमती सुधा साहू, खरेला महोबा से श्री संतोष सिंह, परसदेपुर रायबरेली श्री विनोद कौशल, सलौन रायबरेली से श्री चन्द्रशेखर रस्तोगी, हैदराबाद उन्नाव श्री ब्रज किशोर वर्मा, मोहान उन्नाव से समरजीत, बीघापुर उन्नाव श्री सुशील कुमार, औराव उन्नाव श्री राकेश कुमार, उगू उन्नाव श्रीमती अनिता, नवाबगंज उन्नाव श्री दिलीप कुमार, सफीपुर उन्नाव श्रीमती गरिमा, गंगाघाट उन्नाव श्रीमती कोमदी पाण्डेय, मधौगंज हरदोई श्री अनुराग मिश्रा, हैदरगढ़ बाराबंकी श्री आलोक तिवारी, रामनगर बाराबंकी श्री रामसरन पाठक, देवा बाराबंकी श्री हारून वारसी, घुघली महराजगंज श्री संतोष जायसवाल, चौक महराजगंज श्रीमती संगीता देवी, परतावल महराजगंज श्रीमती प्रियंका गुप्ता, मथौली कुशीनगर श्री नवरंग सिंह, फालिजनगर कुशीनगर श्री शत्रुधन शाही, सुकरौली कुशीनगर श्री राजनीति कश्यप, बढ़नी सिद्धार्थनगर श्री सुनील अग्रहरि, शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर श्रीमती उमा अग्रवाल, अजमतगढ़ आजमगढ़ श्रीमती ललिता साहनी, मधुवन मऊ श्रीमती आरती मल्ल, उरूवा गोरखपुर श्री रामफेर कन्नौजिया बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा परिवार में शामिल हुए।

भारतीय जनता पार्टी परिवार में सम्मिलित होने वाले ब्लॉक प्रमुखों में उरूवा प्रयागराज श्रीमती आरती गौतम, करछना प्रयागराज श्रीमती सरोज द्विवेदी, चाका प्रयागराज श्री अनिल सिंह पटेल, कोंराव प्रयागराज श्री मुकेश कोल, फतेहगंज पश्चिम बरेली श्री सत्येन्द्र यादव, भोजीपुरा बरेली श्री योगेश पटेल, बागंरमऊ उन्नाव श्रीमती सुनीता दिवाकर (सपा), उन्नाव ज्ञानेन्द्र सिंह (सपा), सीयर बलिया श्री आलोक सिंह, बांसडीह बलिया श्रीमती सुशीला देवी, लार देवरिया श्रीमती अनुभा सिंह, भलुअनी देवरिया श्री छददू यादव, मिर्जापुर लालगंज श्रीमती फिरती देवी (सपा) सहित विभिन्न ब्लॉक प्रमुखों ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसके साथ ही 150 से अधिक नगर निगम के पार्षदों, जिला पंचायत सदस्यों सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास की नीति पर चलने का संकल्प लेते हुए अपने समर्थकों सहित भाजपा परिवार में शामिल हुए।

सदस्यता ग्रहण समारोह में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बृज बहादुर, प्रदेश महामंत्री श्री अमरपाल मौर्य, प्रदेश मंत्री श्री शिव भूषण सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री मनीष दीक्षित, प्रदेश मीडिया सहप्रभारी श्री हिमांशु दुबे तथा प्रदेश सरकार के मंत्री श्री संजीव गोंड उपस्थित रहे।

भाजपा द्वारा देश की महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास : योगी

भारतीय जनता पार्टी द्वारा शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ सम्पर्क अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्‌घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया। इस अवसर पर पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री माननीय विजया रहाटकर, प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती गीता शाक्य भी मौजूद रही। संचालन पार्टी के प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य ने किया। कार्यशाला में क्षेत्रीय प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष, क्षेत्रीय अभियान की टोली व जिला अभियान की टोली के सदस्य सम्मिलित हुए। कार्यशाला में प्रदेश में कार्य कर रही स्वयं सहायता समूह और एनजीओ से जुड़ी बहनों से सम्पर्क व संवाद कर उन्हें पार्टी संगठन से जोड़कर सक्रिय करने पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई व कार्ययोजना तैयार की गई।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यशाला में उपस्थित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पांच सौ वर्षों की लंबी लड़ाई, संघर्ष, तपस्या और साधना के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सिद्धि प्राप्त हुई है। यह केवल प्राण प्रतिष्ठा समारोह नहीं है, बल्कि भारत की लोक आस्था, जन विश्वास और भारत के पुराने गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा का एक अभियान है। आज जब पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश में अयोध्या धाम की ओर आकर्षित हो रही है तो आप सभी भी अयोध्या धाम का दर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या धाम में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले साढ़े नौ वर्षों में देश में चलाए गए कार्यक्रम व अभियानों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में राम राज्य की परिकल्पना के अनुसार बिना किसी भेदभाव के किसानों, महिलाओं, नौजवानों और समाज के हर तबके के लोगों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाईं और इसका लाभ देने के लिए अभियान चलाया। इसी का नतीजा है कि पूरे देश में चार करोड़ गरीब परिवारों को बिना भेदभाव के आवास दिये गये। इसमें भी ज्यादातर मालिकाना हक महिलाओं को दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ शौचालय बनाए गए। यही नहीं हर घर नल योजना से शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। इतना ही नहीं पूरे देश में पहली बार गांव में गरीबों को उनके आवास का मालिकाना हक देने के लिए पीएम स्वामित्व योजना चलायी गयी। यह इसलिए जरूरी था क्योंकि पहले गांव के दबंग इनका घर जर्जर होने पर बनाने नहीं देते थे और उस पर कब्जा कर लेते थे। स्ट्रीट वेंडर के बारे में कोई सोचता ही नहीं था, लेकिन आज उन्हे ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराकर आर्थिक स्वावलंबन के मार्ग पर प्रशस्त किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत देश के 10 करोड़ परिवार यानि 50 करोड़ से अधिक लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री जनधन अकाउंट योजना से लेकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि समेत तमाम योजनाओं में देश की आधी आबादी को केंद्र बिंदु रखा गया, क्योंकि सबसे ज्यादा उनका शोषण होता था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन योजनाओं में आधी आबादी को जोड़कर देश ने दुनिया के सामने नए भारत को प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रदेशभर में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में एक उत्साह देखने को मिला था। इस अधिनियम के बाद अब कोई भी राजनीतिक दल महिलाओं को विधानसभा और देश की संसद में पहुंचने से नहीं रोक सकता है। देश में पहली बार महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हे महिला स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2019 में 6 महिलाओं से शुरू हुई बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी में आज बुंदेलखंड की 63 हजार महिलाएं जुड़ी हुई हैं। इसका वार्षिक टर्नओवर डेढ़ सौ करोड़ का है, जबकि नेट प्रॉफिट लगभग 15 करोड़ का है। कोरोना काल खंड में अकाउंट से पैसे निकालने के लिए बैंक में भीड़ न एकत्रित हो इसके लिए बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी अभियान को आगे बढ़ाया गया। प्रदेश में 56 हजार से अधिक बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी का चयन किया गया। आज प्रदेश में 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में बैंक के लेन–देन का काम बीसी सखी कर रही हैं और वह प्रतिमाह 15000 से लेकर सवा लाख रुपये कमा रहीं हैं।

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चंद्रयान अभियान

में अहम भूमिका निभाने वाली वैज्ञानिक डॉ. रितु करिधाल लखनऊ की ही बेटी हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री जनधन अकाउंट, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, जीवन ज्योति बीमा योजना समेत तमाम योजनाएं आधी आबादी के सम्मान को दर्शाती हैं। वहीं प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से 17 लाख बेटियां जुड़ी हुई हैं जबकि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से 3 लाख से अधिक बेटियों का दहेज मुक्त विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ है। प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए थाने स्तर पर एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया, इससे महिला संबंधी अपराध को न्यूनतम स्तर तक पहुंचने में सफलता प्राप्त हुई है। वहीं आज महिला संबंधी अपराध में देश के अंदर सर्वाधिक सजा दिलाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश बन गया है। डबल इंजन की सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महिला स्वयं सहायता समूह की बड़ी भूमिका है। डबल इंजन की सरकार के विभिन्न अभियान से इन्हे प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए तो आधी आबादी वर्ष 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री चुनने में उनकी अहम भूमिका सामने आएगी। ऐसे में अभी से इस कार्यक्रम के साथ उन्हे जोड़ना पड़ेगा और इस अभियान को हम तेजी के साथ आगे बढ़ा पाएंगे। पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री विजया रहाटकर ने कार्यशाला में उपस्थित प्रतिनिधियों के समक्ष विस्तार पूर्वक पूरे अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि महिला कल्याण और उनके सशक्तिकरण के लक्ष्यों को पूरा करने में महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सांसद से लेकर पार्षद को सक्रिय रहकर सफल बनाना है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होने कहा कि शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों एवं एनजीओ सम्पर्क अभियान सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए महिलाओं को पार्टी से जोड़ने वाला महाअभियान है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा जिन मुद्दों के साथ जनता के बीच गई थी उनमें से अधिकांश लक्ष्य हमारी सरकार ने पूरे किये है। उन्होंने कहा हमारी सरकार वसुधैव कुटुम्बकम् के मंत्र पर कार्य करते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्य किये है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप आत्मनिर्भर बनाने का पवित्र काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल पास होना महिला सशक्तिकरण का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से हमें पार्टी संगठन की योजनानुसार बड़ी संख्या में महिलाओं को पार्टी संगठन से जोड़ते हुए उन्हें सक्रिय करने का काम करना है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार ने महिला कल्याण की दिशा में कई महत्वपूर्ण काम किए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गए है। उन्होंने कहा कि आज हमारी ग्रामीण महिलाए बैक सखी, बीसी सखी, पशु सखी, कृषि सखी, विद्युत सखी के रूप में कार्य करके अपने परिवार की आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही है। उन्होंने कहा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में महिला स्वयं सहायता समूह वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्रान्ति का एक केन्द्र बन चुका है, आज देश व प्रदेश के हर जिले, हर गांव में समूह की महिलाओं को बहुत बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने कहा कि 2014 में केन्द्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से ही महिला कल्याण और महिलाओं के उत्थान को लेकर अनेकों योजनाओं को लागू करने का काम किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, शौचालय, सुकन्या समृद्धि योजना, मातृत्व वंदन योजना, जनधन योजना सहित कई अन्य योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार में शुरू हुई इन योजनाओं में महिलाओं के जीवन में बड़े बदलाव किए है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ सम्पर्क अभियान को पूरे प्रदेश में प्रभावी ढंग से चलाने का आवाह्न करते हुए कहा कि हमें पार्टी संगठन की योजनानुसार स्वयं सहायता समूह व एनजीओ से जुड़ी बहनों से सम्पर्क व संवाद स्थापित करना है।

पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ सम्पर्क अभियान की आगामी कार्ययोजना के संदर्भ में विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 10 फरवरी को जिला स्तर पर शक्ति संवाद कार्यक्रम आयोजित कर जिले में काम करने वाली स्वयं सहायता समूह और एनजीओ के अध्यक्ष और सचिव सहित अन्य पदाधिकारियों से सम्पर्क संवाद कर चर्चा करना है। 11 व 12 फरवरी को विधानसभा स्तर पर शक्ति सम्मान समारोह आयोजित किये जायेंगे। 12 से 21 फरवरी तक मण्डल में सक्रिय स्वयं सहायता समूह व एनजीओ से जुड़ी बहनों से व्यक्तिगत सम्पर्क अभियान चलाया जाएगा। 22 फरवरी को हर मण्डल में माननीय प्रधानमंत्री जी के संबोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना जाएगा। इसी क्रम में 25 व 26 फरवरी को प्रत्येक जिले में एनजीओ के प्रमुखों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

विकसित भारत का विजन ले, नेता गाँवों की ओर....

भारतीय जनता पार्टी की गांव चलो अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला एवं लोकसभा बैठक शनिवार को राजधानी लखनऊ में सम्पन्न हुई। राजधानी लखनऊ के विश्वैश्वरैया प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुई गांव चलो अभियान की प्रदेश कार्यशाला की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने की। कार्यशाला को राष्ट्रीय सहमहामंत्री (संगठन) श्री शिव प्रकाश, राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने भी सम्बोधित किया। बैठक का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष तथा अभियान प्रदेश प्रभारी श्री पंकज सिंह ने किया। गांव चलो अभियान के माध्यम से पार्टी 4 फरवरी से 11 फरवरी तक प्रत्येक गांव तथा बूथ तक पहुंचकर व्यापक जनसंवाद का अभियान चलाएगी। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर सहित पार्टी के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता तथा कार्यकर्ता गांव में प्रवास करेगें तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार की सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण की योजनाएं तथा विकसित भारत का विजन लेकर गांव, मजरो, टीलो, चौपालो तथा बूथों पर चर्चा करेंगे।

पार्टी के राष्ट्रीय सहमहामंत्री (संगठन) श्री शिव प्रकाश ने कहा कि संगठन व विचारधारा के विस्तार की सतत प्रक्रिया है और संगठन के विभिन्न अभियान व कार्यक्रम लक्ष्य को प्राप्त करने का माध्यम है। हर बूथ, हर क्षेत्र में संगठन की मजबूती में गांव चलो अभियान नींव का पत्थर साबित होगा। यह अभियान मिशन 24 में बड़ी विजय का आधार बनेगा। गांव चलो अभियान में प्रत्येक प्रवासी कार्यकर्ता 24 घंटे प्रवास करेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर तथा नगरीय क्षेत्रों में बूथ स्तर पर प्रवासी कार्यकर्ता प्रवास करेंगे। सक्षम कार्यकर्ता गांव मे प्रवास के दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से सम्पर्क, बूथ समितियों तथा पन्ना प्रमुखों से संवाद, घर–घर सम्पर्क करते हुए विकसित भारत का विजन तथा देश में परिवर्तन के कारकों के साथ प्रवास के दौरान चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के साथ राष्ट्र की सुरक्षा व विश्व में भारत के बढ़ते हुए सम्मान से राष्ट्र का यशोगान लेकर गांव में सम्पर्क व संवाद किया जाएगा। उत्तर प्रदेश लगातार भाजपा को आशीर्वाद दे रहा है, इस बार प्रत्येक बूथ पर विगत चुनाव की अपेक्षा 10 प्रतिशत अधिक वोट प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर हमें कार्य करना है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि विपक्ष नकारात्मक राजनीति कर रहा है और अपनी वंशवादी, जातिवादी, भ्रष्टाचारी तथा तुष्टिकरण की राजनैतिक विरासत को सहेजने के लिए तरह–तरह के हथकंडे अपना रहा है। उन्होंने कहा जिन संकल्पों को लेकर भारतीय जनता पार्टी जनता के बीच पहुंची, ऐसे सारे संकल्पों को मोदी सरकार व योगी सरकार ने पूरा किया है। हमें गांव–गांव तक पहुंचकर हर घर की दहलीज पर दस्तक देकर भाजपा सरकार की योजनायें भी पहुंचानी है और विपक्ष के हर विघटनकारी मंसूबे को ध्वस्त भी करना है। श्री चौधरी ने कहा कि विपक्षी दलों की सरकारों के समय बिजली वितरण में वीआईपी कल्चर लागू था। लेकिन आज देश की 26 करोड़ जनता वीआईपी है और सभी को समान रूप से बिजली मिल रही है। प्रदेश की जनता का विश्वास सरकार के प्रति तथा सरकार की सुदृढ़ कानून व्यवस्था के प्रति अडिग है। सपा की सरकार में सरकारी नौकरियों में भर्ती का आधार भ्रष्टाचार होता था। सैफई कुनवा

धन उगाही के लिए थैले उठाकर निकल पड़ता था। लेकिन आज सरकारी नौकरियां पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ योग्य युवाओं को मिल रही है। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से 26 करोड़ लोगों तक सीधा संवाद करना है। शत प्रतिशत विजय का संकल्प लेकर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य प्राप्त करना है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का मानना है कि भारत केवल विकसित गांवों के साथ ही विकसित हो सकता है और यही कारण है कि केन्द्र सरकार की प्रत्येक योजना गांव, गरीब, किसान के कल्याण के लिए समर्पित है। गांव चलो अभियान के तहत देश के 7 लाख गांवों में जनता से 24 घंटे प्रवास के माध्यम से सम्पर्क करना है। उन्होंने कहा कि गांव चलो अभियान बूथ स्तर पर लोगों से सीधे जुड़ने का माध्यम बनेगा और केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की योजनाओं के साथ आत्मनिर्भर भारत, विश्व का नेतृत्व करने वाले भारत, चन्द्रमा तथा सूर्य को मापने वाला भारत, सांस्कृतिक, आर्थिक, सामरिक सार्मथ्यवान भारत के साथ जनसंवाद का माध्यम बनेगा।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि गांव चलो अभियान की प्रदेश कार्यशाला के पश्चात् 30 जनवरी को प्रदेश के सभी संगठनात्मक जिलों में जिला कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभियान के तहत 1 और 2 फरवरी को मंडल की कार्यशालाएं सम्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि गांव चलो अभियान व्यापक ग्राम सम्पर्क व जनसम्पर्क का अभियान है। आगामी 4 फरवरी से प्रारम्भ हो रहे अभियान में प्रत्येक व्यक्ति से सम्पर्क, प्रत्येक लाभार्थी से सम्पर्क करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व की भाजपा सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा करना है तथा राजनैतिक दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लिए गए सरकार के निर्णयों पर भी संवाद करना है। अभियान के तहत ग्राम संयोजक व ग्राम प्रवासी तय किये जाएगें जो डोर टू डोर–मैन टू मैन कनैक्टिविटी की माइक्रोप्लानिंग पर काम करेगें। प्रवास के दौरान स्वच्छता अभियान, शहीदों के परिजनों का सम्मान, खिलाड़ियों, अधिवक्ताओं, शिक्षकों सहित विभिन्न कार्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों से सम्पर्क करना है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत नमो एप पर विकसित भारत एम्बेसडर बनाने का भी काम करना है। भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पत्रक लेकर हर घर की चौखट तक पहुंचना है।

पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सम्पन्न हुई लोकसभा बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों, अभियानों और लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अन्य कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 31 जनवरी तक लोकसभा चुनाव कार्यालय खोलने तथा लोकसभा और विधानसभा चुनाव संचालन समिति के गठन को पूरा करने का निर्णय किया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक को राष्ट्रीय सहमहामंत्री (संगठन) श्री शिव प्रकाश जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने सम्बोधित किया। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री श्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने किया। बैठक में पार्टी के प्रदेश पदाधिकरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, लोकसभा चुनाव की दृष्टि से बने कलस्टर इंचार्ज, लोकसभा संयोजक/प्रभारी, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी सहित अन्य प्रमुख नेता सम्मिलित रहे।

भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर की मुख्य विशेषताएं

- रामलला के रूप में प्रभु श्री राम की मूर्ति 51 इंच लंबी है। कमल के पुष्प पर विराजित यह विग्रह श्याम वर्ण का है।
- यह मनमोहक मूर्ति कर्नाटक के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार श्री अरुण योगीराज ने बनाई है।
- भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। इसकी लंबाई (पूर्व–पश्चिम) 380 फीट है; चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फीट है और यह कुल 392 स्तंभों और 44 दरवाजों द्वारा समर्थित है।
- मंदिर के स्तंभों और दीवारों पर हिंदू देवी–देवताओं और देवियों की मूर्तियों का गूढ़ चित्रण है।
- भूतल पर मुख्य गर्भगृह में भगवान श्री राम के बाल स्वरूप (श्री रामलला की मूर्ति) को रखा गया है।
- मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्वी दिशा में स्थित है, जहां सिंह द्वार के माध्यम से 32 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचा जा सकता है।

मंदिर में कुल पांच मंडप

- मंदिर में कुल पांच मंडप (हॉल) हैं– नृत्य मंडप, रंग मंडप, सभा मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप। मंदिर के पास एक ऐतिहासिक कुआं (सीता कूप) है, जो प्राचीन काल का है।
- मंदिर परिसर के दक्षिण–पश्चिमी भाग में, कुबेर टीला में, भगवान शिव के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है, साथ ही जटायु की एक मूर्ति भी स्थापित की गई है।
- मंदिर की नींव का निर्माण रोलर–कॉम्पैक्ट कंक्रीट (आरसीसी) की 14 मीटर मोटी परत से किया गया है, जो इसे कृत्रिम चट्टान का रूप देता है।
- मंदिर में कहीं भी लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है। जमीन की नमी से सुरक्षा के लिए ग्रेनाइट का उपयोग करके 21 फुट ऊंचे चबूतरे का निर्माण किया गया है।
- मंदिर परिसर में एक सीवेज उपचार संयंत्र, जल उपचार संयंत्र, अग्नि सुरक्षा के लिए जल आपूर्ति और एक स्वतंत्र बिजली स्टेशन है।
- मंदिर का निर्माण देश की पारंपरिक और स्वदेशी तकनीक से किया गया है।
- श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने श्री राम जन्मभूमि परिसर में जटायु की विशाल प्रतिमा स्थापित की है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जटायु की प्रतिमा का अनावरण किया।
- अयोध्या का मुख्य मंदिर सूर्य देव, देवी भगवती, भगवान गणेश और भगवान शिव को समर्पित चार मंदिरों से घिरा हुआ है।
- परिसर में अन्य प्रस्तावित मंदिर महर्षि वाल्मिकी, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, माता शबरी और देवी अहिल्या को समर्पित होंगे।

पीएम-जनमन के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 1 लाख लाभार्थियों को पहली किस्त जारी

लगभग 24,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ पीएम-जनमन योजना 9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए केंद्रित है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा–अभियान (पीएम–जनमन) के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी) के 1 लाख लाभार्थियों को पहली किस्त जारी की।

इस अवसर पर श्री मोदी ने देशभर में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा–अभियान (पीएम–जनमन) के लाभार्थियों को संबोधित किया तथा बातचीत की। प्रधानमंत्री से सीधे बातचीत करने वाले लाभार्थी छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से थे, जहां बड़ी तादाद में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) समुदाय और आबादी मौजूद है।

540 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी

श्री मोदी ने ग्रामीण आवास योजना– प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (पीएमएवाई–जी) के तहत 1 लाख पक्के मकानों के निर्माण के लिए 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पीवीटीजी लाभार्थियों के बैंक खातों में 540 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बात का उल्लेख किया कि पीवीटीजी समुदाय पिछले 75 वर्षों से लाभों से वंचित थे और अब सरकार पीएम–जनमन योजना के माध्यम से अंततः उन्हें पक्के मकान, पानी, बिजली सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी, एमएमयू, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

श्री मोदी ने आउटरीच शिविरों के माध्यम से कड़ी मेहनत करने वाले और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले व्यक्तियों की दहलीज पर जाकर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने में मदद करने वाले अधिकारियों का भी आभार प्रकट किया। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि कैसे भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय इन अति पिछड़े समुदायों के कल्याण के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने यह भी बताया कि देश के पर्वतीय और सीमावर्ती क्षेत्रों सहित दूरदराज के इलाकों में 2 महीने के भीतर 8,000 से अधिक शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में देश की अति पिछड़ी जनजातीय आबादी को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की धनराशि, किसान क्रेडिट कार्ड, वन अधिकार अधिनियम के पट्टे, पीएम जन धन योजना के खाते खोलने, जाति प्रमाण पत्र और राशन कार्ड आदि जैसे लाभ प्रदान किए गए।

कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक- आर्थिक कल्याण के लिए पीएम-जनमन की शुरुआत

- अंतिम छोर पर अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाने के अंत्योदय के दृष्टिकोण की दिशा में प्रधानमंत्री के प्रयासों के अनुरूप जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर, 2023 को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक–आर्थिक कल्याण के लिए पीएम–जनमन की शुरुआत की गई थी।
- लगभग 24,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ पीएम–जनमन योजना 9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए केंद्रित है। इसका उद्देश्य पीवीटीजी घरों और बस्तियों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थितियों में सुधार करना और स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण, बिजली, सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी और स्थायी आजीविका के अवसरों तक बेहतर पहुंच बनाना है।

पिछले 9 वर्षों के दौरान 24.82 करोड़ भारतीय विविध प्रकार की गरीबी से बाहर निकले

गरीबी में रह रहे लोगों का अनुपात 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हो गया

पछले 9 वर्षों के दौरान 24.82 करोड़ लोग विविध प्रकार की गरीबी से बाहर निकले। नीति आयोग के चर्चा पत्र **'मल्टीडायमेंशनल पावर्टी इन इंडिया सिन्स 2005–06'** के निष्कर्ष इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय 2013–14 से 2022–23 के बीच हर तरह की गरीबी के समाधान के लिए सरकार की महत्वपूर्ण पहलों को देते हैं। चर्चा पत्र 15 जनवरी को नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद ने नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रमण्यम की उपस्थिति में जारी किया। ऑक्सफोर्ड नीति और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने इस पत्र के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान की है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त व्यापक उपाय है, जो मौद्रिक पहलुओं से परे अनेक आयामों में गरीबी को दर्शाता है। एमपीआई की वैश्विक कार्यप्रणाली मजबूत अलकिरे और फोस्टर (एएफ) पद्धति पर आधारित है जो अत्यधिक गरीबी का आकलन करने के लिए डिज़ाइन की गई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत मीट्रिक के आधार पर लोगों को गरीब के रूप में पहचानती है, जो पारंपरिक मौद्रिक गरीबी उपायों के लिए एक पूरक संभावना प्रदान करती है।

बहुआयामी गरीबी में 17.89 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय गिरावट

चर्चा पत्र के अनुसार भारत में बहुआयामी गरीबी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जो 2013–14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022–23 में 11.28 प्रतिशत हो गई है, यानी 17.89 प्रतिशत अंकों की कमी। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों के दौरान 5.94 करोड़ लोगों के बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने के साथ गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, इसके बाद बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ और राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग हैं।

पेपर यह भी दर्शाता है कि नमूने की विधि का उपयोग करके गरीबी हेडकाउंट अनुपात में गिरावट की गति 2005–06 से 2015–16 की अवधि (7.69 प्रतिशत वार्षिक दर) की तुलना में 2015–16 से 2019–21 (10.66 प्रतिशत वार्षिक गिरावट दर) के बीच बहुत तेज थी। संपूर्ण अध्ययन अवधि के दौरान एमपीआई के सभी 12 संकेतकों में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया है। वर्तमान परिदृश्य (यानी वर्ष 2022–23 के लिए) के मुकाबले वर्ष 2013–14 में गरीबी के स्तर का आकलन करने के लिए इन विशिष्ट अवधियों के लिए डेटा सीमाओं के कारण अनुमानित अनुमानों का उपयोग किया गया है।

भारत के 2030 से काफी पहले एसडीजी लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को कम से कम आधे तक कम करना) हासिल करने की संभावना

गरीबी के सभी आयामों को कवर करने वाली महत्वपूर्ण पहलों के कारण पिछले 9 वर्षों में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। परिणामस्वरूप, भारत के 2030 से पहले बहुआयामी गरीबी को आधा करने के अपने एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त करने की संभावना है। सबसे कमजोर और वंचितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर समर्पण और दृढ़ प्रतिबद्धता ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे वंचित रहने में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है।

हाल के फैसले जैसेकि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार और स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण की स्थिति में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बने 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री–जन आरोग्य योजना (एबी पीएम–जेएवाई) ने 12 जनवरी, 2024 को 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाने की बड़ी सफलता हासिल की है। इस प्रमुख योजना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) कार्यान्वित कर रहा है। इसका लक्ष्य 12 करोड़ लाभार्थी परिवारों को माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है।

आयुष्मान भारत पीएम–जेएवाई के तहत आयुष्मान कार्ड का निर्माण सबसे बुनियादी गतिविधि है और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार ठोस प्रयास किए जा रहे हैं कि योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी के पास आयुष्मान कार्ड हो। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप इस योजना के तहत 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाने की उपलब्धि हासिल हो चुकी है। पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान ही 16.7 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। आज की तारीख में वर्ष 2023–24 के दौरान 7.5 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसका मतलब है कि हर मिनट लगभग 181 आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

अब तक महिलाओं के लिए लगभग 14.6 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। यह योजना महिला लाभार्थियों को जारी किए गए 49 प्रतिशत आयुष्मान कार्डों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में क्षेत्रीय समानता और आय समानता के साथ लैंगिक समानता हासिल करने का प्रयास कर रही है। साथ ही, इस योजना के तहत प्रदान किए गए उपचार का 48 प्रतिशत लाभ महिला द्वारा उठाया गया है। इस प्रकार, लैंगिक समानता इस योजना के मूल डिजाइन का हिस्सा है।

इस योजना के तहत 6.2 करोड़ मुफ्त अस्पताल भर्ती से गरीब और कमजोर तबके के 1.25 लाख करोड़ से अधिक रुपये की बचत हुई

इसके अलावा, आयुष्मान भारत पीएम–जेएवाईके तहत 6.2 करोड़ से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती की सुविधा दी गई। जिस पर 79,157 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आया। यदि लाभार्थियों ने एबी पीएम–जेएवाई के दायरे से बाहर अपने दम पर समान उपचार का लाभ उठाया होता, तो उपचार की कुल लागत लगभग 2 गुना अधिक हो जाती। इस प्रकार, गरीबों और वंचित परिवारों के जेब खर्च से 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई।

सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम कार्य व्यवस्था पर भारत और यूरोपीय आयोग के बीच समझौता ज्ञपन को मिली मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल को 18 जनवरी को ईयू–भारत व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (टीटीसी) के तहत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम, इसकी आपूर्ति श्रृंखला एवं नवाचार पर कार्य व्यवस्था को लेकर भारत सरकार और यूरोपीय आयोग के बीच 21 नवंबर, 2023 को हस्ताक्षर किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से अवगत कराया गया।

इस एमओयू का उद्देश्य उद्योगों और डिजिटल प्रौद्योगिकियों की उन्नति के लिए सेमीकंडक्टर को बढ़ाने की दिशा में भारत और यूरोपीय संघ के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तारीख यानी 21 नवंबर, 2023 से प्रभावी होगा। यह समझौता तब तक जारी रहेगा जब तक कि दोनों पक्ष यह पुष्टि नहीं कर लेते कि इस उपकरण के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया गया है या जब तक एक पक्ष इस समझौते में अपनी भागीदारी बंद नहीं कर देता।

आठ करोड़ ग्राहकों तक पहुंचा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 15 जनवरी को जारी एक बयान के अनुसार इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। इसकी अभिनव और समावेशी वित्तीय सेवाओं से लाभान्वित होने वाले ग्राहकों की संख्या अब आठ करोड़ हो गई है।

आईपीपीबी अपनी स्थापना के बाद से देश के हर हिस्से में सुलभ और सस्ती बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित रहा है। आठ करोड़ ग्राहकों तक पहुंचने की यह उल्लेखनीय उपलब्धि भारत के लोगों की ओर से आईपीपीबी पर विश्वास को दिखाती है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की स्थापना वित्तीय सेवाओं की कमी को दूर करने, वंचित जनसंख्या को सशक्त बनाने और पारंपरिक व डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के संयोजन के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कदम था। आईपीपीबी ने वित्तीय समावेशन के लिए प्रतिबद्धता के साथ आबादी के विभिन्न वर्गों के लोगों को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें सुदूर और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं।

प्रदेश सरकार बजट 2024, विधान भवन, लखनऊ

शक्ति केन्द्र संयोजक, प्रवासी बैठक, अम्बेडकर नगर

प्रादेशिक लोक सभा बैठक, लखनऊ

सोशल मीडिया कार्यशाला, वाराणसी

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91, शीर्षक कोड: UPHIN16701, डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2022-23
फरवरी प्रथम 2024 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित।